(स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र)

हिन्दी दैनिक
बुद्ध का संदेश

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

तारक मेहता की रीटा रिपोर्टर...8

गुरुवार, 20 जनवरी 2022 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 09 अंकः 32 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादकः राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

भारत में 23 जनवरी को चरम पर पहुंच सकती है कोविड–19 की तीसरी लहरः वैज्ञानिक

नयी दिल्ली। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान–कानपुर के एक वैज्ञानिक के अनुसार, भारत में कोविड–19 महामारी की तीसरी लहर 23 जनवरी को चरम पर पहुंच सकती है और इस दौरान रोजाना संक्रमण के चार लाख से कुछ कम मामले सामने आ सकते हैं। आईआईटी–कानपुर के प्रोफेसर व सूत्र कोविड मॉडल से जुड़े अनुसंधानकर्ताओं में शामिल मनिंद्र अग्रवाल ने कहा कि दिल्ली, मुंबई और कोलकाता में पहले ही, बीते सात दिन में संक्रमण के मामलों की संख्या चरम पर पहुंच चुकी है। महामारी की शुरुआत के बाद से देश में कोविड मामलों की संख्या का पता लगाने और इस संबंध में अनुमान जताने के लिये 'सूत्र कोविड मॉडल' का उपयोग किया गया है। अग्रवाल के अनुसार इस सप्ताह महाराष्ट्र, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, गुजरात और हरियाणा में कोविड –19 के मामले चरम पर होंगे, जबकि आंध्र प्रदेश, असम और तमिलनाडु जैसे राज्यों में अगले सप्ताह इनके चरम पर पहुंचने की आशंका है। उन्होंने पीटीआई– को बताया, भारत में 23 जनवरी को दैनिक मामलों की संख्या चरम पर पहुंचने का अनुमान है। तब इन मामलों की संख्या चार लाख से कुछ कम रह सकती है। दिल्ली, मुंबई और कोलकातामहानगरों में पहले ही इनकी संख्या चरम पर हैं। अग्रवाल ने पहले अनुमान जताया था कि कोविड ध्ध्ध्–19 की तीसरी लहर जनवरी के अंत तक चरम पर होगी। महामारी की स्थिति में बदलाव का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, देश भर में, प्रक्षेपवक्र कि जांच रणनीति में बदलाव को लेकर आईसीएमआर के दिशानिर्देशों के कारण ऐसा हुआ है। हालांकि, कई जगहों पर, ये दिशानिर्देश अभी तक लागू नहीं हुए हैं और फिर भी, प्रक्षेपवक्र बदल गया है। एक नए सरकारी परामर्श के अनुसार, अंतर–राज्यीय घरेलू यात्रा करने वाले व्यक्तियों और कोविड संक्रमितों के संपर्क में आए लोगों की तब तक जांच करने की आवश्यकता नहीं है जब तक मैंने पहले अनुमान लगाया था कि उन्हें उम्र या विभिन्न रोगों के चलते खतरा न हो। अग्रवाल ने कहा कि पिछले साल नवंबर में जब ओमीक्रोन स्वरूप फैलना शुरू हुआ तो बहुत चिंता थी। हालांकि, उन्होंने कहा कि पिछले हफ्ते या उससे पहले, लगभग हर जगह लोगों ने निष्कर्ष निकाला है कि इस स्वरूप में केवल हल्का संक्रमण होता है और जांच कराने के बजाय मानक उपचार के जरिये इससे निपटा जा सकता है।

इससे पहले, संस्थान में एक अलग शोध दल द्वारा किए गए एक अध्ययन से पता चला था कि भारत में महामारी की तीसरी लहर 3 फरवरी तक चरम पर हो सकती है। भारत में बुधवार को एक दिन में कोविड–19 के नए मामलों की संख्या बढ़ोतरी के साथ 2,82,970 दर्ज की गई। इसके अलावा 441 रोगियों की मौत हुई। देश में अब तक कुल 3,79,01,241 लोग कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जा चुके हैं। 4,87,202 लोगों की मौत हो चुकी है।

रिपब्लिक डे परेड में पहली बार होगा आईटीबीपी जवानों का प्रदर्शन

33 बुलेट मोटर साइकिल के साथ लेंगे हिस्सा

रिपब्लिक डे परेड में पहली बार भारत–तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के जवानों का प्रदर्शन होगा। भारत–तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के श्डेयरडेविलिश बाइकर्स इस साल पहली बार गणतंत्र दिवस परेड पर राजपथ पर दस तरह की संरचनाओं का प्रदर्शन करेंगे। आईटीबीपी बाइकर्स की ये टीम लोटस फॉर्मेशन, बॉर्डर मैन्स सैल्यूट, फ्लाई राइडिंग, पवन चक्की, हॉरिजॉन्टल बार एक्सरसाइज, सिक्स–मैन बैलेंस, एरो पोजिशन, जगुआर पोजिशन, हिमालय के प्रहरी और श्आजादी का अमृत महोत्सवश थीम पर आधारित पिरामिड फॉर्मेशन बनाएगी। भारत की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ को आईटीबीपी के हिमवीरों द्वारा चलती बाइक पर संरचनाओं के रूप में प्रदर्शित किया जाएगा।

मिशन श्डेयरडेविल्सश में आईटीबीपी के कुल 146 कर्मी और 33 बुलेट मोटरसाइकिलें भाग लेंगी। आईटीबीपी की डेयरडेविल्स टीम का गठन सितंबर 2017 में किया गया था। यह पहली बार है जब एक आईटीबीपी मोटरसाइकिल दल गणतंत्र दिवस परेड में राजपथ पर अपने कौशल का प्रदर्शन करेगा। 1962 में स्थापित, आईटीबीपी हिमालय में राष्ट्रों की बर्फीली सीमाओं की रक्षा करता है। 30 मिनट देरी से शुरू होगी गणतंत्र दिवस की परेडः बता दें कि गणतंत्र दिवस परेड सुबह 10 बजे के निर्धारित समय पर शुरू नहीं होगी और 75 साल में पहली बार निर्धारित समय से 30 मिनट बाद शुरू होगी।

रक्षा मंत्रालय ने एक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान जानकारी दी कि इस साल परेड सुबह 10रू30 बजे शुरू होगी। इसके अलावा, पहली बार, उन वंचित लोगों के लिए विशेष निमंत्रण जारी किया जाएगा, जो आमतौर पर 26 जनवरी की परेड देखने नहीं आते हैं।

परेड में भाग लेने वालों की संख्या में कमीः कोविड–19 महामारी के कारण इस साल गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेने वालों की सामान्य संख्या में 70 से 80 फीसदी की कमी की जाएगी और केवल 5,000 से 8,000 लोगों को ही इसमें शामिल होने की अनुमति होगी। रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पिछले साल गणतंत्र दिवस पर आयोजित परेड में करीब 25,000 लोगों को शामिल होने की अनुमति दी गई थी।

अपर्णा यादव के लिए परिवार से बड़ा है राष्ट्रधर्म, भाजपा की सदस्यता लेने के बाद मोदी–योगी को कहा शुक्रिया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों से पहले आज समाजवादी पार्टी को तब तगड़ा झटका लगा जब यादव परिवार की फूट सामने आ गयी। समाजवादी पार्टी के संरक्षक और वरिष्ठ नेता मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव बुधवार को भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गईं हैं। माना जा रहा है कि अब भाजपा उनको लखनऊ कैंट से विधानसभा चुनाव लड़वा सकती है। हम आपको याद दिला दें कि अपर्णा यादव इस सीट से सपा के टिकट पर पिछला चुनाव लड़ी थीं लेकिन उन्हें भाजपा उम्मीदवार रीता बहुगुणा जोशी ने हरा दिया था। रीता बहुगुणा जोशी अब प्रयागराज से भाजपा सांसद हैं और वह अपने बेटे के लिए लखनऊ कैंट सीट से टिकट मांग रही हैं लेकिन अब अपर्णा की भाजपा में एंट्री के बाद रीता बहुगुणा जोशी के बेटे को टिकट मिलना मुश्किल है। बहरहाल अपर्णा यादव की बात करें तो आज उन्होंने भाजपा की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और पार्टी के मीडिया विभाग के प्रभारी अनिल बलूनी की मौजूदगी में भगवा दल का दामन थामा। पिछले कुछ दिनों से अपर्णा के भाजपा में शामिल होने की अटकलें भी लगाई जा रही थीं। हम आपको याद दिला दें कि वह कई मौकों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ की तारीफ कर चुकी हैं। आज भाजपा में शामिल होने के बाद अपर्णा ने कहा कि मैं हमेशा से ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से प्रभावित रही हूं और राष्ट्रधर्म निभाने के लिए इस पार्टी के साथ जुड़ी हूँ। दूसरी ओर अपर्णा का स्वागत करते हुए उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अखिलेश यादव पर निशाना साधा और उन्हें आजमगढ़ के सांसद के तौर पर भी असफल बताया।

उन्होंने कहा कि मुलायम सिंह यादव की पुत्रवधू श्रीमती अपर्णा यादव का परिवारवाद के दलदल से निकल कर राष्ट्रवाद के पथ पर चलने वाली भारतीय जनता पार्टी में स्वागत है। मौर्य ने कहा कि अच्छे लोग अपने लिये सही रास्ता खोज ही लेते हैं। बाद में मुलायम सिंह यादव के छोटे बेटे प्रतीक यादव की पत्नी अपर्णा ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की। इस दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता भी उपस्थित थे।

कांग्रेस के सर्वे में टॉप पर रहे सीएम शिवराज, 69 फीसदी लोगों ने सीएम को किया पसंद

भोपाल। मध्य प्रदेश में कांग्रेस से सत्ता जाने के बाद और संगठन को मजबूत बनाने के लिए पार्टी द्वारा एक ऑनलाइन सर्वे कराया गया है। कांग्रेस के सर्वे में भी मुख्यमंत्री शिवराज सिंह का जलवा देखने को मिला। कांग्रेस के सर्वे में भी नंबर–वन मुख्यमंत्री के रूप में लोगों ने पसंद किया है। दरअसल मध्य प्रदेश में कांग्रेस ने ऑनलाइन सर्वे करवाया। और ये सर्वे कांग्रेस को ही भारी पड़ गया है। सर्वे में कांग्रेस ने आम जनता से पूछा था कि आप किसको सीएम के तौर पर नहीं देखना चाहते हैं। जिसमें मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का नाम भी शामिल किया गया। सोशल मीडिया पर कराए गए सर्वे में मुख्यमंत्री शिवराज को 31 फीसदी लोगों ने वोट किया है। इसका मतलब है कि करीब 69 फीसदी लोग मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ हैं। वहीं कांग्रेस के इस सर्वे को लेकर प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि कोई भी सर्वे करवा लें कांग्रेस, नंबर वन शिवराज ही रहेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सर्वे खुद करवाएं या किसी अन्य एजेंसी से करवा लें नंबर वन शिवराज सिंह चौहान ही रहेंगे।

5 जी से होगा फ्लाइट को खतरा? एयर इंडिया ने की अमेरिका की कई उड़ानें रद्द, लैंडिंग-ब्रेक को लेकर ये अलर्ट जारी

अमेरिका के हवाई अड्डों पर आज से 5जी इंटरनेट सेवा (5जी इंटरनेट परिनियोजन) लागू हो रहा है। एयर इंडिया ने मंगलवार को कहा कि वह 19 जनवरी से वहां 5जी इंटरनेट की तैनाती के कारण अमेरिका के लिए अपनी उड़ानों में कटौती या संशोधन करेगी। इसी कारण एयर इंडिया ने अपनी कई फ्लाइट्स रद्द कर दी है। जिससे उड़ानों में एक बड़ा व्यवधान होने की संभावना है। एयर इंडिया ने ट्विटर पर पोस्ट किया, संयुक्त राज्य अमेरिका में 5 जी संचार की तैनाती के कारण, भारत से यूएसए के लिए हमारे संचालन को 19 जनवरी, 2022 से विमान के प्रकार में बदलाव के साथ घटाया ६ संशोधित किया गया है। एयरलाइन के अधिकारियों ने रद्द होने की संख्या के बारे में टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। एयर इंडिया ने न्यूयॉर्क, नेवार्क, शिकागो, वाशिंगटन डीसी और सैन फ्रांसिस्को के लिए उड़ानें संचालित रखी है। पिछले हफ्ते, अमेरिकी विमानन नियामक, फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने चेतावनी दी थी कि 5ळ हस्तक्षेप बोइंग के 787 ड्रीमलाइनर पर सवार विभिन्न प्रणालियों के साथ समस्या पैदा कर सकता है, खासकर लैंडिंग के समय।इसलिए, यूएस–आध ारित एयरलाइनों के एक समूह ने सोमवार को ४।। को लिखे पत्र में कहा कि 5ळ इंटरनेट परिनियोजन भयावह विमानन संकट का कारण बन सकता है। इस समूह में यूनाइटेड एयरलाइंस, अमेरिकन एयरलाइंस, डेल्टा एयरलाइंस और फेडएक्स जैसी एयरलाइंस शामिल हैं। उड्डयन सुरक्षा पर चिंताओं के कारण स्थगित होने के बाद अमेरिका में दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के बुधवार से 5ळ सेवाओं को शुरू करने की उम्मीद है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, विमान निर्माता बोइंग और एयरबस ने अमेरिकी परिवहन सचिव पीट बटिगिएग को लिखे एक संयुक्त पत्र में चेतावनी दी है कि 5ळ सुरक्षित रूप से संचालित करने के लिए विमान की क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है।

तिहाड़ जेल के कैदी के पेट का एक्सरे देखकर हैरान हुए डॉक्टर, शरीर के अंदर मिला मोबाइल फोन

नई दिल्ली। दिल्ली की तिहाड़ जेस से एक विचित्र घटना में सामने आयी है। दिल्ली की तिहाड़ जेल के एक कैदी ने पुलिस अधिकारियों से छिपाने के लिए एक मोबाइल फोन निगल लिया। बाद में एंडोस्कोपी से इसे बाहर हटाया दिया गया। डॉक्टरों ने 7 सेंटीमीटर लंबे और 3 सेंटीमीटर चौड़े मोबाइल को तार की मदद से मुंह के जरिए बाहर निकालने के लिए एंडोस्कोपी की। दिल्ली के जीबी पंत अस्पताल के गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग के डॉ सिद्धार्थ ने एएनआई को बताया कि मरीज को पेट में दर्द की शिकायत के बाद 15 जनवरी को अस्पताल लाया गया था। डॉ सिद्धार्थ ने कहा, ष्उनके पेट का एक्स–रे किया गया, जिससे पता चला कि यह एक मोबाइल फोन हो सकता है। मुंह से एंडोस्कोपी की गई और मोबाइल को फंदे से पकड़ा गया। मोबाइल को मुंह से निकाला गया।ष पूरी प्रक्रिया को गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग के डॉ सिद्धार्थ और डॉ मनीष तोमर के नेतृत्व में जीबी पंत अस्पताल की टीम ने अंजाम दिया।

पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल कोरोना वायरस से संक्रमित, अस्पताल में भर्ती

लुधियाना। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल के बुधवार को कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई। शिरोमणि अकाली दल के 94 वर्षीय संरक्षक को यहां दयानंद मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (डीएमसीएच) में भर्ती कराया गया है। डीएमसीएच के चिकित्सा अधीक्षक डॉ संदीप शर्मा ने कहा कि बादल के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। शर्मा ने कहा कि उनकी हालत स्थिर है।

कोरोना के मामलों में फिर उछाल, मिले 2,82,970 नये केस

भारत में एक दिन में कोविड–19 के 2,82,970 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 3,79,01,241 हो गई। वहीं, 441 और लोगों की संक्रमण से मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 4,87,202 हो गई है । सबसे अधिक मामले दर्ज करने वाले शीर्ष पांच राज्यों में कर्नाटक में 41,457 मामले हैं, इसके बाद महाराष्ट्र में 39,207 मामले, केरल में 28,481 मामले, तमिलनाडु में 23,888 मामले और गुजरात में 17,119 मामले हैं। इन पांच राज्यों से लगभग 53.07 प्रतिशत नए मामले सामने आए हैं, जिनमें अकेले कर्नाटक 14.65 प्रतिशत नए मामलों के लिए जिम्मेदार है। पिछले 24 घंटों में देश में कुल 441 मौतें हुई हैं, जिससे मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर 4,87,202 हो गई है। भारत की रिकवरी दर अब 93.88 प्रतिशत है। वहीं दूसरी तरफ ॅभ्ट का कहना है कि इस साल कोविड –19 स्वास्थ्य आपातकाल खत्म हो सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन में आपात स्थिति के प्रमुख ने मंगलवार को कहा कि यदि टीकाकरण और दवाओं में भारी असमानताओं को जल्दी से संबोधित किया जाता है, तो कोरोनोवायरस महामारी दृ मौतें, अस्पताल में भर्ती और तालाबंदी दृ इस साल खत्म हो सकती हैं। विश्व आर्थिक मंच द्वारा आयोजित वैक्सीन असमानता पर एक पैनल चर्चा के दौरान बोलते हुए डॉ माइकल रयान ने कहा, ष्हम वायरस को कभी खत्म नहीं कर सकतेष क्योंकि इस तरह के महामारी वायरस ष्पारिस्थितिक तंत्र का हिस्सा बन जाते हैं।ष लेकिन ष्हमारे पास इस साल सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल को समाप्त करने का एक मौका है यदि हम उन चीजों को करते हैं जिनके बारे में हम बात कर रहे हैं,ष डब्ल्यूएचओ ने अमीर और गरीब देशों के बीच कोविड –19 टीकाकरण में असंतुलन को एक भयावह नैतिक विफलता बताया है। कम आय वाले देशों में 10: से कम लोगों को कोविड –19 वैक्सीन की एक खुराक भी मिली है।

निर्वाचन व्यवस्थाओं के लिए नामित किये गये प्रभारी व सहायक प्रभारी अधिकारी

बहराइच। विधानसभा सामान्य निर्वाचन–2022 को दृष्टिगत रखते हुए जिला मजिस्ट्रेटधजिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र द्वारा निर्वाचन सम्बन्धी विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए प्रभारी व सहायक प्रभारी अधिकारियों की नियुक्ति कर दी गयी है। कानून व्यवस्था, सिक्योरिटी प्लान व फोर्स डिप्लायमेन्ट के लिए प्रभारी की जिम्मेदारी स्वयं डीएम व एसपी के कांधों पर रहेगी। जबकि एडीएम, ए.एस.पी. (ग्रामीण व नगर) को सहायक प्रभारी अधिकारी की जिम्मेदारी सौपी गयी है। कार्मिक एवं प्रशिक्षण व्यवस्था के लिए सी.डी.ओ. को प्रभारी अधिकारी तथा डीआईओ एनआईसी, डीसी एनआरएलएम, डीडीओ, सहा.अभि. ग्रा.अभि.सेवा राधेवेन्द्रम, वरि.प्रशा.अधि. विकास भवन संजय कुमार मिश्र, बी. एस.ए., जिला प्रशिक्षण अधिकारी, प्रधानाचार्य राजकीय आई.टी.आई. व पॉलीटेक्निक, सहा.अभि. लो. नि.वि. (प्रा.ख.) श्याम तथा राजकीय पॉलीटेक्निक के (एसएलएमटी) व्याख्याता प्रदीप कुमार सिंह को सहा.प्र.अधि. की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। यातायात व्यवस्था के लिए नगर मजिस्ट्रेट को प्र. अधि. तथा पुलिस क्षेत्राधिकारी नगर, ए.आर.टी.ओ. प्रर्वतन तथा डीएसओ को सहा.प्र.अधि.लेखन सामग्री व प्रपत्रों की छपाई के लिए डी.डी. एग्री को प्र.अधि. तथा जिला कृषि अधिकारी, जिला कृषि रक्षा अधिकारी व जिला उद्यान अधिकारी को सहा.प्र.अधि. तथा निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण सेलधनिर्वाचन यात्रा भत्तों के लिए प्रभारी वरिष्ठ कोषाधिकारी को प्र.अधि. तथा मेडिकल कालेज के वित नियंत्रक सुनील कुमार यादव, बेसिक शिक्षा के वित एवं लेखाधिकारी विजय शंकर तिवारी, माध्यमिक शिक्षा के शिवेन्द्र पाण्डेय, वित्तीय परामर्शदाता जिला पंचायत योगेश पाण्डेय तथा सहा. कोषाधिकारी बाबू राम को सहा.प्र.अधि. नियुक्त किया गया है। प्रेक्षक व्यवस्था के लिए पीडी डीआरडीए व सहायक महानिरीक्षक निबन्धन को प्र.अधि. तथा जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी, डी.एस.ओ., जिला आबकारी, सचिव, कृ.उ.म.समि. धनन्जय सिंह व वाणिज्य कर अधिकारी शैलेन्द्र कुमार को सहा. प्र.अधि., पुलिस प्रेक्षक व्यवस्था के लिए अपर पुलिस अधीक्षक नगर को प्र.अधि. तथा सी.ओ. सिटी व प्र.नि. कोतवाली नगर को सहा.प्र.अधि., मतपत्रों की छपाई, डाक मतपत्र तथा ईटीपीबीएस व्यवस्था के लिए पी.डी. डीआरडीए, डीसी एनआरएलएम व डिप्टी कलेक्टर राकेश कुमार मौर्य को प्र.अधि. तथा प्रधान डाकघर के पोस्ट मास्टर, ए.आर. को–आपरेटिव, श्रम प्रवर्तन अधिकारी, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी तथा जिला समाज कल्याण अधि. को सहा.प्र.अधि. की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। निर्वाचन सम्बन्धी विभिन्न सांख्यकीय सूचनाओं के आनलाइन प्रेषण एवं प्रबन्धन के लिए सी.आर.ओ., जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी डॉ. अर्चना सिंह व तकनीकी सहयोग के लिए डीआईओ एनआईसी को प्र.अधि. तथा एडीईएसटीओ रंजन लाल, एडीआईओ एनआईसी व ई–डिस्ट्रिक मैनेजर को सहा.प्र. अधि., ईधन व्यवस्था के लिए डीएसओ को प्र.अधि. तथा समस्त पूर्ति निरीक्षकों को सहा.प्र.अधि., मीडिया के लिए नगर मजिस्ट्रेट व जिला खादी ग्रामोद्योग अधिकारी को प्र.अधि. तथा ए.डी. आई.ओ. व वरिष्ठ सहायक नजमुल हसन को सहा.प्र.अधि. की जिम्मेदारी सौंपी गयी है।

टेलीफोन, इन्टरनेट, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार व्यवस्था के लिए नगर मजिस्ट्रेट को प्र. अधि. तथा डीआईओ एनआईसी, जिला प्रबन्धक बीएसएनएल, समस्त एसडीओ व जेटीओ तथा ई–डिस्ट्रिक मैनेजर को सहा. प्र.अधि., खानपान व्यवस्था के लिए उप जिला निर्वाचन अधिकारी, जिला खाद्य विपणन अधिकारी, डीएसओ व मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी को प्र.अधि. तथा क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी (ग्रामीण) रवीन्द्र कुमार सिंह, जिला प्रबन्धक आवश्यक वस्तु निगम व प्रबन्धक एफसीआई को सहा.प्र. अधि., टेन्टेज फर्नीचर, बैरीकेटिंग, प्रकाश एवं साउण्ड व्यवस्था के लिए उप जिला निर्वाचन अधिकारी, अधि.अभि. लो.नि.वि. (प्रा.ख.), जल निगम के सौरभ सुमन व विद्युत के मुकेश बाबू को प्र.अधि. तथा लो.नि.वि. (प्रा.ख.) के सहा.अभि. शशिकान्त, अ.अभि. समरजीत व चन्द्र प्रताप तथा विद्युत के ए.ई. विजय कुमार को सहा.प्र. अधि. की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। वेबकास्टिंग, सीसीटीवी व वीडियोग्राफी व्यवस्था के लिए पीडी डीआरडीए, डी.सी. मनरेगा व डीपीआरओ को प्र.अधि. तथा एनआईसी के डीआईओ व नेटवर्क फील्ड इंजीनियर, जिला प्रबन्धक बीएसएनएल व एसडीओ संजीव गॉधी तथा ई–डिस्ट्रिक मैनेजर को सहा.प्र.अधि., एम. सी.सी. (आदर्श आचार संहिता) के लिए सी.आर.ओ. को प्र.अधि. तथा समस्त उप जिलाधिकारी व पुलिस क्षेत्राधिकारी तथा अपर जिला सूचना अधिकारी को सहा. प्र.अधि., कर्मचारी कल्याण प्रकोष्ठ के लिए सी.डी.ओ., उप जिला निर्वाचन अधिकारी व सी. एम.ओ. को प्र.अधि. तथा ए.सी. एम.ओ. डॉ. योगिता जैन,, बी. एस.ए., डी.आई.ओ.एस., सीडीपीओ दीपा गुप्ता व महिला उप निरीक्षक श्रीमती आरती को सहा.प्र.अधि. तथा विधि प्रकोष्ठ के लिए ज्येष्ठ अभियोजन अधिकारी द्विजेन्द्र सिंह व सी.ओ. कैसरगंज को प्र.अधि तथा सहा.अभि. अधिकारी विजय रावत को सहा.प्र.अधि. की जिम्मेदारी सौंपी गयी है।

अपर कृषि निदेशक वीरेन्द्र कुमार सिसोदिया ने किया क्षेत्र भ्रमण

बहराइच। कृषि निदेशालय के अपर कृषि निदेशक (मू.सं.)ध नोडल अधिकारी प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना लखनऊ द्वारा अपने दो दिवसीय जनपद बहराइच भ्रमण के दौरान ग्राम बरगदिहा लालपुर विकास खण्ड शिवपुर में अध्यक्ष प्रमोद कुमार साहू के यहां इन–सीटू योजना के अन्तर्गत फार्म मशीनरी बैंक का निरीक्षणध्सत्यापन किया गया।

सत्यापन के दौरान प्रमोद कुमार साहू द्वारा बताया गया कि उनके द्वारा गठित समिति बरगदिहा किसान कल्याण समिति को कृषि विभाग की इन सीटू योजनान्तर्गत रू. 15.00 लाख का कृषि यन्त्र–ट्रैक्टर, थ्रेसर, लेजर लैण्ड लेवलर आदि क्रय पर रू. 12.00 लाख का अनुदान प्राप्त हुआ है, जिसका उपयोग हमारी समिति के सदस्यों सहित आस–पास के कृषकों को किराये पर उपलब्ध करा रहें है। इन–सीटू कृषि यन्त्रों से फसल अवशेष प्रबन्धन का कार्य किया गया। जिससे आस–पास के कृषकों को रबी फसलों की बुआई में आसानी हुई तथा समिति को अतिरिक्त आय भी प्राप्त हुई।

भ्रमण के दौरान अपर कृषि निदेशक द्वारा विकास खण्ड बलहा स्थित नवनिर्मित किसान कल्याण केन्द्र का निरीक्षण किया गया तथा केन्द्र पर उपलब्ध कृषि निवेशों के बारे में जानकारी प्राप्त की गयी। इसी प्रकार अपर कृषि निदेशक द्वारा जनपद में संचालित राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन योजना के अन्तर्गत ग्राम भोपतपुर बेलवा विकास खण्ड बलहा में गेहूँ कलस्टर प्रदर्शन का अवलोकन किया गया। लाभार्थी से वार्ता की कृषकों द्वारा बताया गया कि सभी प्रदर्शनों में गेहूँ की बुवाई सुपर सीडर कृषि यन्त्र से की गयी है।

अपर कृषि निदेशक द्वारा कृषकों से योजना के अन्तर्गत उपलब्ध कराये गये कृषि निवेशों की जानकारी ली। अपर कृषि निदेशक द्वारा नेत्रपाल सिंह पुत्र बुद्धदेव के यहां अनुदान पर स्थापित सोलर पम्प का अवलोकन किया तथा राजकीय कृषि प्रक्षेत्र नानपारा में लगाये गये गेहूँ फसलों का निरीक्षण किया। इसी क्रम में अपर कृषि निदेशक द्वारा भूमि संरक्षण इकाई परियोजना गोकुलपुर विकास खण्ड रिसिया का भी स्थलीय निरीक्षण किया तथा मौके पर उपस्थित कृषि विभाग के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान अपर कृषि निदेशक द्वारा जनपद में संचालित प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के प्रगति के सम्बन्ध में भी जानकारी ली गयी।

निरीक्षण के समय टी.पी. शाही उप कृषि निदेशक, बहराइच, सतीश कुमार पाण्डे जिला कृषि अधिकारी, आर.डी. वर्मा जिला कृषि रक्षा अधिकारी, उदय शंकर सिंह उपसंभागीय कृषि प्रसार अधिकारी सदर एवं नानपारा तथा भूमि संरक्षण अधिकारी, बहराइच, नितिन कुमार मौर्य अवर अभियन्ता (कृषि), डॉ. वी.के. सिंह सलाहकार, जयंकर सिंह, रमेश चन्द्र त्रिपाठी तकनीकी सहायक राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन मौजूद रहे।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक पर सवार दो युवकों में एक की मौत

गोंडा। कोतवाली करनैलगंज क्षेत्र में चौरी चौराहे के पास एक तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक पर सवार दो युवकों में एक की मौत हो गई। जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला भेजा है। घटना गोंडा–लखनऊ मार्ग स्थित चौरी चौराहे के पास की है।कोतवाली करनैलगंज अंतर्गत ग्राम काशीपुर निवासी कुलदीप गोस्वामी 27 अपने रिस्तेदारी में ग्राम गोगिया गोसाई पुरवा गया था। जहां से राजबाबू गोस्वामी के साथ वह बाइक से वापस घर जा रहा था। अभी दोनों चौरी चौराहा पहुंचने ही वाले थे तभी काफी तेज गति से पहुंची कार ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे बाइक सहित दोनों युवक सड़क पर गुरकर गम्भीर रूप से घायल हो गये। स्थानीय लोगों ने आनन फानन में घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने कुलदीप को मृत घोषित कर दिया। वहीं गोगिया गोसांई पुरवा निवासी राज बाबू का इलाज चल रहा है। सूचना मिलते ही मृतक कुलदीप गोस्वामी के परिवार में कोहराम मच गया। कोतवाल प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्ट मार्टम के लिए भेजा गया है। तथा घटना कारित करने वाले वाहन को भी कब्जे ले लिया गया है। तहरीर मिलने पर अभियोग पंजीकृत किया जाएगा।

अब युवा मतदाता अपने वोटर आईडी कार्ड से कर सकेंगे मतदान

करनैलगंज,गोंडा। अब युवा मतदाता अपने वोटर आईडी कार्ड से मतदान का प्रयोग कर सकेंगे जिसकी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। करनैलगंज तहसील की दो विधानसभा क्षेत्रों में करीब 35 हजार नए मतदाताओं का पहचान पत्र बनकर तैयार हो गया है और उसे डाक द्वारा भेजने की प्रक्रिया भी आरंभ कर दी गई है। तहसील में मतदाता पहचान पत्रों की छटनी और उसे सील पैक करके मतदाताओं को मताधिकार का प्रयोग करने के साथ–साथ मतदान को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करते हुए एक निर्वाचन आयोग का पत्र और पहचान पत्र दोनों को लिफाफे में पैक करने का कार्य जोर–शोर से चल रहा है। उप जिलाधिकारी हीरालाल ने बताया कि करनैलगंज विधानसभा क्षेत्र में युवा मतदाताओं जो इस बार नए मतदाता बनाए गए हैं उनकी संख्या 15 हजार 675 है और कटरा बाजार विधानसभा क्षेत्र में नए मतदाताओं की संख्या 18 हजार 561 है।

डीएम व एसएसपी ने किया सीएचसी शिवपुर का निरीक्षण

बहराइच। जिलाधिकारी डॉ दिनेश चन्द्र ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक केशव कुमार चौधरी के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र शिवपुर में कोविड टीकाकरण सत्र का निरीक्षण कर आवश्यक जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान डीएम ने सीएचओ द्वारा किये जा रहे कोविड टीकाकरण फीडिंग कार्य का भी जायजा लिया तथा पूर्व में टीकाकरण कराने वाले लोगों से मोबाइल पर बात कर फीडबैक भी प्राप्त किया। निरीक्षण के दौरान डीएम व एसएसपी ने 24 निराश्रित, असहाय व जरूरतमंदो को कम्बल का वितरण भी किया। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी नानपारा अजित परेश, प्रभारी चिकित्साधिकारी शिवपुर डॉ. नलिन राजा व अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे। जिलाधिकारी डॉ. चन्द्र ने लोगों से शत प्रतिशत टीकाकरण कराये जाने की अपील करते हुए कहा कि तीसरी लहर से बचने का एक मात्र उपाय टीकाकरण है। विशेष रूप से जो व्यक्ति दोनों डोज लिए रहेगा। उसको अगर संक्रमण होता भी है तो वह सुरक्षित रहेगा। डीएम ने सभी ग्रामवासियों से अनुरोध है कि टीकाकरण की दोनो डोज अवश्य ले लें। साथ ही जो 60 वर्ष से अधिक के लोग है वो भी अनिवार्य रूप से बूस्टर डोज ले लें। डीएम डॉ. चन्द्र ने 15 से 18 वर्ष आयु वर्ग के किशोर–किशोरियों से भी अपील की कि वह भी अपना शत–प्रतिशत टीकाकरण करायें। डीएम डॉ. चन्द्र ने टीकाकरण कार्य में लगे हुए सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें विश्वास है कि खण्ड विकास अधिकारी व प्रभारी चिकित्साधिकारी के नेतृत्व में लगी हुई टीमें शत'प्रतिशत टीकाकरण का लक्ष्य अवश्य प्राप्त करेंगी। डॉ. चन्द्र ने मीडिया प्रतिनिधियों से भी टीकाकरण कराये जाने के साथ–साथ अभियान में सहयोग प्रदान करने की अपील की। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी डॉ. चन्द्र ने आमजन से यह भी अपील की कि टीकाकरण के प्रति जन–जागरूकता के साथ सुनियोजित मतदाता शिक्षा एवं सहभागिता के स्वीप अन्तर्गत सभी मतदाताओं से आगामी 27 फरवरी 2022 को होने वाले मतदान में शत–प्रतिशत मतदान की अपील भी की।

गोआश्रय केंद्रों का ताबड़तोड़ औचक निरीक्षण

करनैलगंज,गोंडा। जिले में गोआश्रय केंद्रों पर गोवंशो के रखरखाव एवं उनकी सुविधा के दृष्टिगत उप जिलाधिकारी द्वारा तहसील क्षेत्र के गोआश्रय केंद्रों का ताबड़तोड़ औचक निरीक्षण किया जा रहा है। उप जिलाधिकारी हीरालाल ने एक दर्जन से अधिक गोआश्रय केंद्रों का औचक निरीक्षण किया और पशुओं के रखरखाव उनके खानपान की व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए संबंधित ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत अधिकारी व सहायक विकास अधिकारी को निर्देशित किया। उप जिलाधिकारी हीरालाल ने बताया कि तहसील में उनकी व तहसीलदार करनैलगंज, नायब तहसीलदार करनैलगंज की अलग–अलग टीम बनाई गई है। जिसके तहत गोआश्रय केंद्रों का औचक निरीक्षण कराया जा रहा है। जहां तमाम खामियां पाई गई जिसे ठीक करने के लिए संबंधित विभाग के कर्मचारियों, ग्राम प्रधानों को चेतावनी देते हुए तत्काल प्रबंधन व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए।

तेज आवाज व पटाखा छोड़ने वाली बुलेट में लगे साइलेंसर से हुआ चालान

बहराइच।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक केशव कुमार चौधरी के आदेशानुसार यातायात प्रभारी आनेंद्र यादव , टी एस आई शशीकांत कौल , आरक्षी दिनेश चौहान , आरक्षी सैय्यद इरफान अहमद , एच जी रविंद्र शुक्ला व एच जी राकेश कुमार शुक्ला के वाहन चेकिंग अभियान के अंतर्गत शहर क्षेत्र के विभिन्न चौराहों तिराहों पर 3 बिना मास्क लगाये व्यक्ति से रू 2 हजार नगद व 39 वाहनों से रू0 84500 का आनलाइन चालान किया गया जिसमें 1 ऐसे बुलेट मोटरसाइकिल का चालान किया गया जिसमें तेज आवाज करने के साथ पटाखा छोड़ने वाला साइलेंसर लगा हुआ था गया तथा ई–रिक्शा , टेंपो , मैक्स तथा अन्य सवारी गाड़ी के चालकों को सवारी न लटकाने व सदैव सड़क के किनारे वाहन खड़ा कर सवारी उतारने चढ़ाने हेतु बताया गया तथा लोगों को कोविड – 19 ओमिक्रोन वायरस से बचने हेतु जागरूक किया गया आपको बताते चले कि नई बुलेट में बहुत तेज आवाज करने वाला साइलेंसर नही लगा होता पर बहुत से लोग नियमों की अवहेलना करके बहुत तेज आवाज करने वाला साइलेंसर लगवा लेते हैं स जो बहुत ध्वनि प्रदूषण फैलाता है जिससे विद्यार्थियों को पढ़ने में बहुत परेशानी होती है।

टीकाकरण से ही कोविड का बचाव सम्भवः डा. सूर्यकांत

–संक्रमण रोकने को टीकाकरण के साथ अपनाएं पांच जरूरी मंत्र

अयोध्या। कोविड टीकाकरण के एक साल पूरे होने पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन–उत्तर प्रदेश के कोविड टीकाकरण के ब्रांड एंबेस्डर व केजीएमयू के रेस्परेटरी मेडिसिन विभाग के अध्यक्ष डॉ. सूर्यकान्त ने अपना अनुभव साझा किया । उन्होंने कहा कि साल भर के अनुभव और दुनिया के आ रहे अध्ययन से यह साफ पता चलता है कि कोविड–19 के संक्रमण से अगर खुद के साथ घर–परिवार व समुदाय को सुरक्षित रखना है तो कोविड टीकाकरण कराना सभी पात्र लोगों के लिए बहुत जरूरी है । टीकाकरण के साथ जरूरी प्रोटोकाल (पाँच मंत्र) का पालन भी सभी की भलाई के लिए आवश्यक है । ज्ञात हो कि 16 जनवरी 2021 से शुरू हुए कोविड टीकाकरण के पहले दिन पहला टीका डॉ. सूर्यकान्त ने लगवाया था। डॉ. सूर्यकान्त का कहना है कि कोविड की पहली लहर में तो बचाव का कोई टीका था ही नहीं लेकिन दूसरी लहर में ज्यादातर वही लोग गंभीर रूप से कोरोना की चपेट में आए जिन्होंने टीका नहीं लगवाया था । देश में इसबीच कोरोना एक बार फिर तेजी से पाँव पसार रहा है । ऐसे में अभी हाल ही में मुंबई के एक अस्पताल से आए आँकड़े बताते हैं कि अस्पताल में भर्ती होने वाले 95 फीसद कोरोना संक्रमित ने टीके की दोनों डोज नहीं लगवा रखी थी । इसलिए सभी से यही अपील है कि संक्रमण को रोकने के लिए जब जिसकी बारी आए टीकाकरण जरूर कराएं । टीका कोरोना से सुरक्षा तो प्रदान ही करेगा और अगर उसके बाद भी कोरोना की चपेट में आते हैं तो ऐसी गंभीर स्थिति नहीं बनेगी की अस्पताल में भर्ती होने की नौबत आए। डॉ. सूर्यकान्त का कहना है कि देश के साथ ही प्रदेश ने एक साल के भीतर अभियान चलाकर ज्यादा से ज्यादा लोगों को टीका लगाने का कीर्तिमान बनाया है । इसे अभी आगे भी जारी रखना है ताकि कोरोना को पूरी तरह से खत्म करने में देश कामयाब बन सके । उन्होंने कहा कि अगर प्रदेश की बात करें तो 18 साल से अधिक उम्र के करीब पौने पंद्रह करोड़ लोगों को टीका लगाना था जिसमें से करीब 13. 71 करोड़ (93 फीसद) को पहली डोज लगाई जा चुकी है और 8. 56 करोड़ (58 फीसद) को दोनों डोज लग चुकी है। 10 जनवरी से फ्रंट लाइन और हेल्थ केयर वर्कर के साथ ही 60 साल से अधिक उम्र के गंभीर बीमारी से ग्रसित बुजुर्गों को प्री काशन डोज (एहतियाती डोज) लगाई जा रही है, जिसके तहत अब तक करीब 3.84 लाख लोगों ने इस डोज को भी अपनाया है । 15 से 18 साल के किशोर–किशोरियों का भी टीकाकरण भी इसी माह तीन जनवरी से शुरू हुआ है । प्रदेश में इस श्रेणी के करीब 1.40 करोड़ बच्चों को टीका लगना है, जिसमें से 12 दिन में लगभग 50 लाख बच्चों का टीकाकरण किया जा चुका है । 12 साल से कम उम्र के बच्चों का टीकाकरण अभी नहीं चल रहा है, ऐसे में घर के सभी बड़ों की जिम्मेदारी है कि वह अपने साथ उन छोटे बच्चों की सुरक्षा के लिए टीके की निर्धारित डोज जल्दी से जल्दी लगवा लें ।

पाँच जरूरी मंत्र अपनाएं –डॉ. सूर्यकान्त का कहना है कि यह बात शुरू से बताई जा रही है कि कोरोना को मात देना है तो दो काम हाथों के लिए बहुत जरूरी हैं और दो काम पैरों के लिए । इसके तहत सबसे पहले तो किसी से भी हाथ मिलाने की जगह नमस्कार करना है और दूसरा हाथों को बार–बार साबुन–पानी से धुलते रहना है । तीसरा मंत्र यह है कि पैरों को भीड़भाड़ में जाने से रोकना है और चौथा एक दूसरे से दो गज की दूरी बनाए रखनी है । पाँचवाँ और आखिरी सबसे जरूरी मंत्र है कि मास्क से परेशान हुए बगैर उसका पालन करें क्योंकि कोरोना हर जगह और हर वक्त ताक लगाए बैठा है । जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाते हुए सार्वजनिक जगहों पर हमेशा मास्क लगाकर रखें । यह कोरोना ही नहीं बल्कि वायु प्रदूषण व टीबी–निमोनिया समेत कई अन्य संक्रामक बीमारियों से भी बचाएगा ।

अजय कुमार सोनी को ब्लॉक इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया गया

शिवदयाल गंज,गोंडा। राष्ट्रीय स्वर्णकार मंच ने जिले के नवाबगंज विकासखंड में अपनी इकाई का विस्तार करते हुए यहां के स्वर्ण व्यवसाई अजय कुमार सोनी बबलू को ब्लॉक इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया किया है।यह नियुक्ति संगठन के प्रदेश सचिव रामा आधार स्वर्णकार ने की है। उन्होंने बताया कि ब्लॉक अध्यक्ष पद पर अजय कुमार सोनी का कार्यकाल 3 वर्ष का होगा। उनसे शीघ्र ब्लॉक इकाई का गठन कर सूचित करने के लिए कहा गया है। ब्लॉक अध्यक्ष अजय कुमार सोनी के मनोनयन पर प्रदेश के समाज कल्याण मंत्री रमापति शास्त्री ,पूर्व ब्लाक प्रमुख सुरेंद्र प्रताप सिंह, जिला अध्यक्ष प्रमोद सोनी, राम जी सोनी, गुड्डू सोनी, प्रधान भगवती सिंह ,मदनलाल मोदनवाल, कटरा कुटी धाम के महंत स्वामी चिन्मयानंद जी, फत्तेपुर प्रधान श्याम सागर, मुन्नू मोदनवाल सहित स्वर्ण कारोबार से जुड़े इलाके के व्यापारियों ने प्रसन्नता जताई है।

डीएम–एसएसपी ने पैरा मिलिट्री फोर्स के साथ निकाला रूट मार्च

सोहावल–अयोध्या।रौनाही थाना क्षेत्र के चिर्रा जगनपुर ,रसूलपुर ,सोहावल चौराहा स्थित रजिस्ट्री आफिस के सामने खड़े वाहनो की चौकिंग किया। सुचितागंज बाजार मे वगैर मास्क घूमने वालों पर कड़ी फटकार लगाते हुये भविष्य में कोरोना से बचाव के लिये दो गज की दूरी मास्क जरूरी का अनुपालन नहीं करने पर कड़ी कार्यवाही करने की चेतावनी दी।रास्ते में सपा का झंडा लगाकर चल रहे और काली फिल्म युक्त वाहनों के शीशे से फिल्म उतरवायी। जिलाधिकारी नीतिश कुमार ने विकास खण्ड सोहावल पहुंचकर साफ सफाई तथा उपस्थिति रजिस्टर की चौकिंग की। दो कर्मी अनुपस्थित मिले। दोनों को क्षेत्र मे होने की बात कर विकास खण्ड अधिकारी रशेष कुमार गुप्ता ने राहत की सांस ली।इस दौरान क्षेत्राधिकारी थाना प्रभारी शमशेर बहादुर सिंह सहित विकास खण्ड कर्मी मौजूद रहे।

एसडीएम व सीओ के नेतृत्व मे नगर पंचायत पयागपुर में हुआ फ्लैग मार्च

बहराइच।आगामी विधानसभा चुनाव में भयमुक्त मतदान करने व मतदाता जागरूकता अभियान के मद्देनजर आज एसडीएम व अधिशासी अधिकारी पयागपुर के नेतृत्व में थाना अध्यक्ष पयागपुर व आइटीबीपी ने संयुक्त रूप से नगर क्षेत्र पयागपुर में संवेदनशील स्थानों पर फ्लैग मार्च किया गया।फ्लैग मार्च नगर क्षेत्र के बस स्टॉप पयागपुर, भूप गंज बाजार मार्केट ,कोट बाजार मार्केट, नूरपुर आदि आदि क्षेत्रों में भ्रमण किया गया लोगों से कोविड प्रोटोकॉल का पालन करने की अपील की गई। फ्लैग मार्च में एसडीएम व अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार सीओ राजीव कुमार थाना अध्यक्ष हरेंद्र मिश्रा नगर पंचायत कार्यालय सहायक जितेंद्र कुमार, कौशल त्रिपाठी ,आनंद कुमार इंव राहुल राज सुपरवाइजर सदानंद शुक्ला आदि मौजूद रहे।

करोना से सावधानी ही बचावः डॉ. किशोर कुमार

अयोध्या। करोना का प्रभाव आज भी हमारे समाज में काफी देखा जा रहा है। लेकिन कहीं ना कहीं हम आप भी इसके जिम्मेदार हैं क्योंकि हम सारी सावधानियां एवं बचाव को अपनी जिंदगी से निकाल चुके हैं। जिले के प्रसिद्ध होम्योपथी चिकित्सक डा. किशोर कुमार ने बताया कि कोरोना से बचने के लिए सबसे पहले सरकार द्वारा जनहित में जारी वैक्सिंग को सभी लोगों को लगवाना चाहिए और बाहर निकलते समय हमेशा ही मास का प्रयोग करें तथा अपने हाथों को बार–बार सैनिटाइजर या घरेलू साबुन से धुले तथा भीड़ भाड़ वाली जगह जाने से बचें और अपने आसपास तथा घर में गंदगी बिल्कुल ना होने दें समय–समय पर अपने घर को साफ करें। ज्यादा से ज्यादा पौष्टिक भोजन करें तथा स्वस्थ रहने के लिए योगा या व्यायाम अवश्य करें और मानसिक रूप से अपने आप को मजबूती प्रदान करें। उन्हेंने बताया कि होम्योपैथिक आयुष मंत्रालय द्वारा बताई गई दवा आर्सेनिक का प्रयोग करें तथा ज्यादा सांस फूलने पर एस्पिडोस्पर्मा क्यू का प्रयोग करें।

30 लीटर अवैध शराब के साथ एक गिरफ्तार

मिल्कीपुर–अयोध्या। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश पांडे के निर्देशन में व अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कुमारगंज पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। थानाध्यक्ष वीर सिंह के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने थाना क्षेत्र से एक व्यक्ति को 30 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया है। कुमारगंज थाना क्षेत्र स्थित देवगांव चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक मनीष कुमार चतुर्वेदी हमराही सिपाहियों के साथ थाना क्षेत्र में गश्त पर थे। इसी बीच सुर्ती का पुरवा से मठिया जाने वाले रास्ते पर तलाब के सामने एक संदिग्ध व्यक्ति बड़े–बड़े डिब्बे में कुछ तरल पदार्थ लेकर जाता हुआ दिखाई पड़ा। डिब्बा हाथों में लिए व्यक्ति को रोककर पुलिस टीम ने छानबीन की तब डिब्बों में अवैध कच्ची शराब भरकर सप्लाई किए जाने का मामला उजागर हुआ। पकड़े गए व्यक्ति ने अपना नाम रामनाथ पासी पुत्र धन्नू पासी निवासी सुरती का पुरवा बताया। बरामद 30 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ पकड़े गए व्यक्ति को पुलिस टीम थाने ले आई जहां उसके विरुद्ध धारा 60 आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज करते हुए थानाध्यक्ष वीर सिंह ने जेल भेज दिया। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में चौकी प्रभारी उप निरीक्षक मनीष कुमार चतुर्वेदी के साथ कांस्टेबल अरविन्द कुमार एवं मनोज यादव शामिल रहे।

पैसा निकलने के बाद भी अधूरा पड़ा सामुदायिक शौचालय, जिम्मेदार बने अंजान

पंकज चौबे/
दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। प्रदेश के मुख्यमंत्री जहां एक ओर भ्रष्टाचार मुक्त प्रदेश बनाने की बात कहते है तो वही उनके ही अधिकारी कर्मचारी अपनी खाऊ कमाऊ आदत्त में व्यस्त हैं। जिम्मेदार अधिकारियों की शह पर ग्राम पंचायतों जनप्रतिनिधियों के द्वारा सरकार की विभिन्न योजनाओं में जमकर गोलमाल किया जा रहा है। ठीक ऐसा मामला यहां जनपद सिद्धार्थनगर के विकास खण्ड बढ़नी की ग्राम पंचायत पचउध ा का प्रकाश में आया है। जहां प्रधानमंत्री गरीब कल्याण रोजगार योजना के अंतर्गत निर्मित सामुदायिक शौचालय निर्माण के पैसे निकलने के बाद भी अधूरा पड़ा है। प्रदेश सरकार द्वारा बीते वर्ष ग्रामीण क्षेत्रों की लगभग सभी ग्राम पंचायतों में एक सामुदायिक शौचालय का निर्माण कराया गया था। जिसका पूर्ण भुगतान भी शासन द्वारा किया जा चुका हैं। यहां बढ़नी ब्लॉक की ग्राम पंचायत पचउध में पैसा निकलने के बाद भी ग्राम प्रधान व सचिव द्वारा शौचालय का निर्माण कार्य नही कराया गया। वही सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक उक्त ग्राम पंचायत पचउध के सामुदायिक शौचालय निर्माण का पैसा ग्राम प्रधान व ग्राम विकास अधिकारी (सेक्रेटरी के द्वारा) आपस मे बंदर बाट कर लिया गया है। जिसके कारण शौचालय का निर्माण पूर्ण रूप से नही हुआ है।

शौचालय में जो गेट लगा था वह टूटने लगा है, शौचालय का गड्ढा, टैंक, पानी सप्पलाई प्लास्टर आदि कार्य अभी अधूरा पड़ा है।

पुलिस को दी चुनौती, चोरो ने एक ही रात तीन दुकानों से उड़ाई तीन सोलर प्लैट

दैनिक बुद्ध का संदेश

कठेला/सिद्धार्थनगर। समय माता थाना के कोठी चौराहे पर एक ही रात बड़ौदा यूपी बैंक ग्राहक सेवा केन्द्र की दुकान से पीछे की तरफ से छत पर चढ़कर चोरों ने तीन दुकानों के छत से 18ध्1ध्2022 को जितेंद्र कुमार कुमार का तीन सोलर प्लैट नौ सौ वाट का चोरी कर ले गये वही बगल में राकेश कुमार का दो सौलर प्लैट राम अवतार का छरू सौलर प्लैट दुकान के पीछे से छत पर चढ़कर चोर ग्यारह सौलर प्लैटलेकर लेकर फरार हो गए। दुकानदारों ने इसकी शिकायत थाने पर की। मदरहवा निवासी जितेंद्र कुमार ने बताया कि कोठी चौराहे पर उनकी ग्राहक सेवा केन्द्र की दुकान है। उन्होंने बताया कि मंगलवार की शाम दुकान बंद कर घर चले गए। बुधवार की सुबह करीब 9 बजे घर से दुकान पर पहुंचा तो दुकान खोलकर देखा तो तीन सोलर प्लैट गायब है। बगल मे राम अवतार, राकेश के दुकान से भी सोलर प्लैट गायब हैं। दुकानदारों ने बताया कि तीनों दुकान से लगभग अस्सी हजार का नुकसान हुआ है। दुकानदार ने इसकी शिकायत थाने पर कर दिया है। उक्त के संदर्भ में थानाध्यक्ष सौदागर राय से बात करने की कोशिश की गई तो उनसे संपर्क नही हुआ।

25 हजार इनामी लुटेरे व हत्यारे को कैंट पुलिस ने किया गिरफ्तार

एक अदद तमंचा 315 बोर मय कारतूस बरामद

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोरखपुर। इंजीनियरिंग कॉलेज क्षेत्र 2020 में 22 लाख रुपए

की लूट तथा जनवरी 2021 में जय नारायण शाह उर्फ गुड्डू की गगहा थाना क्षेत्र में हत्या में संलिप्त हत्यारे विशेष कुमार दुबे पुत्र विंध्याचल दुबे निवासी लोहसी कला पोस्ट धनौती थाना मुफ्सील जनपद सिवान बिहार को कैंट पुलिस ने 1अदद 315 बोर तमंचे के साथ मोहद्दीपुर निकट वी पार्क से गिरफ्तार किया पुलिस लाइन वाइट हाउस सभागार में पुलिस अधीक्षक नगर सोनम कुमार ने प्रेस वार्ता करते हुए बताया कि विशेष कुमार दुबे पुत्र विंध्याचल दुबे मुकदमा अपराध संख्या 1305ध्20 धारा 395ध्412ध्34 भादवि थाना कैण्ट जनपद गोरखपुर मु0अ0सं0– 14ध्21 धारा 147ध्148ध्302ध्323ध्504ध्506 भादवि थाना गगहा जनपद गोरखपुर मु0अ0सं0 45ध्22 धारा 3ध्25 आर्म्स एक्ट थाना कैण्ट जनपद गोरखपुर 1305ध्में अभियुक्त फरार चल रहा था वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी कैंट श्याम देव के नेतृत्व में थाना प्रभारी कैंट शशि भूषण राय को लगाया गया था जिसे एक अदद 315 बोर तमंचे के साथ वी पार्क के पास से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त किया जो 25000 का इनामी था गिरफ्तार करने वालो में प्रभारी निरीक्षक कैन्ट शशि भूषण राय निरीक्षक सुनील कुमार पटेल उ0नि0 विजय कुमार गौड़ हे0कां0 धीरज सिंह कां विरेन्द्र तिवारी हे0कां0 रंजीत कां0 रामानन्द सागर कां कमलेश यादव कां0 रोहित सिंह म0कां0 कु0 दिव्या मौजूद थे।

कोई खबर सोशल मीडिया पर चल रही हो तो, वार्ता कर तत्काल कार्यवाही होगी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 को सकुशल, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराए जाने के लिए संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी केशव कुमार की अध्यक्षता में एवं उनके सहयोगी अधिकारियों की उपस्थिति में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से स्वीप, शिकायत, मीडिया मानीटरिंग, एनवीडी के संबंध में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रतिदिन निर्वाचन से सम्बंधित जानकारी को सोशल मीडिया, फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम हैंडल के माध्यम से भारत भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी को टैग किया जाए। आचार संहिता से संबंधित यदि कोई बड़ी घटना घटती है उसकी जानकारी मीडिया के लोगों को दी जाए। मीडिया मैनेजमेंट

महत्वपूर्ण पहलू है पूरी निष्पक्षता, पारदर्शिता पूर्वक विधानसभा सामान्य निर्वाचन निर्वाचन 2022 को संपन्न कराना है। कोविड–19 का उल्लंघन किसी भी दशा में न होने पाये इसका अनुपालन अक्षरसः से कराया जाए। यदि कोई खबर सोशल मीडिया पर चल रही है उनसे वार्ता करके तत्काल कार्यवाही की जाए। सभी नोडल अधिकारी अपने दायित्वों के प्रति सक्रिय रहे, भारत निर्वाचन आयोग किसी भी अधिकारी की शिथिलता पाए जाने पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। जनपद में चुनाव से संबंधित वोट डालने वाले 80 वर्ष की आयु के लोग या उससे ऊपर के व्यक्ति, विकलांग व्यक्ति, अनिवार्य सेवा में कार्यरत कार्मिक के लिए फार्म 12 डी लेकर अपने नोडल अधिकारी से प्रमाणित कराकर पोस्टल बैलट प्राप्त कर सकेंगे। 50 प्रतिशत बूथों पर बेबकास्टिंग होगी। 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जाएगा। इस दिन कोविड को दृष्टिगत रखते हुए वर्चुअल माध्यम से कराया जाए, ज्यादा भीड़ इकट्ठा ना हो, सीमित स्तर पर कार्यक्रम संपन्न कराकर मतदाता जागरूकता की शपथ दिलाई जाए। स्वीप कार्यक्रम के माध्यम से मतदाता जागरूकता का ज्यादा से ज्यादा प्रचार– प्रसार किया जाए। विद्यालय के एन0सी0सी0 के बच्चों एवं नेहरू युवा केंद्र के वालंटियर से सहयोग प्राप्त कर ज्यादा से ज्यादा मतदाताओं को वोट डालने के लिए जागरूक किया जाए। इसके अलावा ज्यादा से ज्यादा सोशल मीडिया के माध्यम से भी प्रचार– प्रसार किया जाए। एनआईसी सिद्धार्थनगर में वीडियो कांफ्रेंसिंग के अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी उमाशंकर, समस्त उपजिलाधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक अवधेश नारायण मौर्य, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी नसीम अहमद, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी एजाजुल हक खान, सूचना विभाग के प्रतिनिधि प्रधान सहायक नजमुल हुदा आदि की उपस्थिति रही।

नवीन कार्यकारिणी का गठन होने पर फरियादियों को त्वरित न्याय मिलेगाः उपजिलाधिकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

महराजगंज। नौतनवा तहसील के नवीन कार्यकारिणी के

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का तहसील सभागार में मुख्य अतिथि उपजिलाधिकारी नौतनवा 'राम सजीवन मौर्य, तहसीलदार नौतनवा मुकेश कुमार सिंह तथा विशिष्ट अतिथि नौतनवा नगर पालिका अध्यक्ष गुड्डू खान की उपस्थिति में आज शपथ ग्रहण कार्यक्रम संम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन एडवोकेट सुनील श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी ने बताया कि ष्नवीन कार्यकारिणी का गठन होने से रुके हुए कार्यो मे तेजी आएगी और फरियादियों को त्वरित न्याय देने का मार्ग प्रसस्त होगा। पालिका अध्यक्ष ने बताया कि ष्आज का यूवा हर क्षेत्र में आगे बढ़कर अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है जिससे हर कार्य तेजी से निपट रहे है,न्याय पाने का माध्यम वकील ही होता है,बिना वकील के न्याय पाना बहुत कठिन या यू कहिये कि नामुमकिन है। वार एसोसिएशन नौतनवा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष राजेश श्रीवास्तव ने अपने सम्बोधन में कहा कि ष्आज मैं अध्यक्ष के रूप में पद और गोपनीयता की जो शपथ लिया हूँ उसे अक्षरशः पालन करूंगा, मेरी सोच रहेगी कि वादी व अधिवक्ता के बीच सामंजस्य बनाकर वादी को त्वरित न्याय की व्यवस्था बनाई जाय। इस अवसर पर नायब तहसीलदार विवेकानन्द दूबे, रजिस्टार राम इकबाल यादव के अलावा नवनिर्वाचित पदाधिकारी सुधीर शुक्ला, राजेश कुमार चौधरी,सत्यपाल सिंह राजपाल, अजय कुमार यादव, अम्बरीश मौर्य, आशीष श्रीवा0, प्रभाकर पाण्डेय, अरूण कुमार, मनोज मिश्रा, विजय कपीस यादव, दयानंद यादव, एजाज अहमद, नागेन्द्र शुक्ला, रवि मिश्र, कमलेश गौड़, व्यापार प्रति0 मण्डल अध्यक्ष संतोष जाय0, एडवोकेट योगेन्द्र श्रीवा0, रियाज अहमद, सचिन श्रीवा0, शाहनवाज खान, बन्टी पाण्डेय, बन्टी श्रीवा0, प्रमोद पाठक, राजकुमार अग्रहरी, राजकुमार गौड़, अशलान खान के अलावा सभी अधिवक्ता व मीडिया बन्धु उपस्थित रहे।

सिविल सिद्धार्थ बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव में कुल 22 पदों पर होगा चुनाव

अध्यक्ष पद के लिए राम शंकर पांडे, राधेश्याम मिश्रा ,जमील अहमद सिद्दीकी ,सत्य प्रकाश श्रीवास्तव, अंजनी कुमार दुबे ने दाखिल किया पर्चा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सिविल सिद्धार्थ बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव में कुल 22 पदों के लिए हो रहे चुनाव में पर्चा दाखिला के अंतिम दिन विभिन्न पदों के लिए कुल 24 पर्चे दाखिल किए गए उपाध्यक्ष पद के 2 पदों के चुनाव के लिए किसी प्रत्याशी ने अपना नामांकन नहीं किया। बुधवार को

के लिए राम शंकर पांडे ,राधेश्याम मिश्रा, जमील अहमद सिद्दीकी ,सत्य प्रकाश श्रीवास्तव ,अंजनी कुमार दुबे। वरिष्ठ उपाध्यक्ष के लिए जय प्रकाश मिश्रा और रामचंद्र चौधरी। कनिष्ठ उपाध्यक्ष के लिए पवन चंद्र शुक्ल। महामंत्री में सिद्ध नाथ पांडे ,राजेश कुमार मिश्र, दिव्य प्रकाश शुक्ल। कोषाध्यक्ष पद के लिए सच्चिदानंद झा ,विजय कुमार शुक्ल ,रविशंकर शुक्ल। संयुक्त मंत्री सूचना प्रसारण शेषमणि प्रजापति व सचिन श्रीवास्तव। संयुक्त मंत्री प्रशासनिक अवनीश कुमार द्विवेदी व अंकित चौधरी। संयुक्त मंत्री पुस्तकालय के लिए किसी ने अपना नामांकन नहीं किया। वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य नफीस हैदर रिजवी कनिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य ,रामनारायण त्रिपाठी, मनीष मणि त्रिपाठी ,संतोष कुमार मिश्र ,राजेश भट्ट ने अपना पर्चा दाखिल किया। चुनाव आयुक्त राम शंकर सिंह व रमेश कुमार पांडे दव्य ने बताया कि पर्चा जांच व वापसी बृहस्पतिवार दिनांक 20 जनवरी 22 को किया जाएगा।

तमकुही राज विधानसभा की मूलभूत सुविधाओं को सर्वप्रथम प्राथमिक प्रदान करना हमारा मुख्य उद्देश्यःसंजय गुप्ता

तमकुहीराज। युवा भाजपा नेता संजय गुप्ता का विधानसभा तमकुहीराज331 के हर गांव में डोर टू डोर भर्मण कर रहे हैं।और जनता का प्यार व आशीर्वाद भी प्राप्त हो रहा है।मीडिया से वार्ता के दौरान उन्होंने बताया कि इस विधानसभा में सबसे ज्यादा दियरा क्षेत्र में कुछ रोड नहीं होने से बरसात के दिनों में लोगो को अत्यधिक दिक्कतो का सामना करना पड़ता है। रोड बनने से बरसात के दिनों में आने–जाने में ग्रामीणों को कोई परेशानी नहीं होगी। और क्षेत्र की विकास करना हमारी मुख्य जिम्मेदारी है लोगो की मूलभूत सुविधाओं को प्रमुखता से प्रदान करना व ग्रामीण क्षेत्रों में समस्याओं को दूर करने से क्षेत्र का विकास संभव है। आज संजय गुप्ता ने अमवा दिगर चौरा खास,अहिरौलीदान, बाघाचौर(नोनियापट्टी) इत्यादि सहित तमाम विधानसभा 331 के ग्राम सभाओं में जनसम्पर्क किया गया। संजय गुप्ता ने ग्रामीणों से कहा कि गांवों में मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराने हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। सबसे ज्यादा भाजपा के सरकार में ही पानी, सड़क के साथ ही प्राथमिकता के साथ गांवों में सुविधा के लिए शुरू से प्रयास किया गया है। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के इस विषम परिस्थतियों में भी विकास कार्यों को पूरा कराया जा रहा है। इस दौरान इनके साथ ग्राम प्रधान हरकेश हरकेश सिंह, नवल किशोर सिंह, जितेंद्र सिंह के साथ साथ तमाम ग्रामवासी बड़ी संख्या में मौजूद थे।

भारतीय स्वजीवी नागरिक पार्टी ने पडरौना विधान सभा से घोषित किया प्रत्यासी

खिरकिया/कुशीनगर। जनपद कुशीनगर में भारतीय स्वजीवी नागरिक पार्टी द्वारा पडरौना विधान सभा के लिए बेली साहनी को घोषित किया गया ।

आज दिनाँक 19,1,2022 को विशुनपुरा ब्लाक के त्रिलोकपुर बुजुर्ग में भारतीय स्वजीवी नागरिक पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयनाथ राजभर के दिशा निर्देश पर जिला अध्यक्ष राजधारी राजभर के द्वारा अपने पार्टी से पडरौना विधान सभा सीट से ग्राम सभा त्रिलोकपुर निवासी बेली देवी को प्रत्यासी घोषित किया गया है।

पुरानी पेंशन बहाली को, घोषणा पत्र में शामिल करने की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश पंचायतीराज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष रमेश कुमार भारती व जिला मंत्री ओम प्रकाश यादव, जिला कोषाध्यक्ष राम मिलन पासवान जिला मीडिया प्रभारी राजकुमार चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी महासंघ के जिला अध्यक्ष हरेराम यादव ,जिला संरक्षक दिलीप कुमार गुप्ता के नेतृत्व में संघ प्रतिनिधिमंडल ने विधान सभा के चुनाव को ध्यान में रखते हुए पुरानी पेंशन बहाली को लेकर आगामी चुनावी घोषणा पत्र में शामिल किये जाने हेतु 14 लाख पेंशन विहीन कर्मचारियों शिक्षकों के बुढापे की लाठी पुरानी पेंशन बहाल करने की मांग का ज्ञापन जिला अध्यक्ष बसपा के संतोष कुमार जिज्ञासु को उनके कैम्प कार्यालय पर ज्ञापन सौंपा गया। जिला अध्यक्ष जी ने संघ ज्ञापन को चुनावी घोषणा पत्र में सम्मिलित करने हेतु पूर्व मुख्यमंत्री बहन मायावती को भेजने का आश्वासन दिया साथ ही पुरानी पेंशन बहाली अपनी पार्टी के घोषणा –पत्र में शामिल कराने की बात संघ पदाधिकारियों से कहकर आश्वस्त किया। संघ जिलाध्यक्ष रमेश कुमार भारती ने कहा कोरोना जैसी भंयकर महामारी में ग्रामीण सफाई कर्मचारियों ने अहम सेवाएं अपनी जान जोखिम में डाल कर दी है और देते रहेंगे राजनीतिक पार्टियों को चाहिए देश–प्रदेश की सेवा करने वाले कर्मचारियों की मूल भूत माँग पुरानी पेंशन बहाल को अपनी –अपनी पार्टी के चुनाव घोषणा –पत्र में शामिल करना चाहिए। ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से संघ जिला अध्यक्ष रमेश कुमार भारती, ओम प्रकाश यादव, राम मिलन पासवान, दिलीप कुमार गुप्ता, राजकुमार, हरेराम यादव, परमेश्वर पासवान, शम्भू नाथ गौड़, राजेश कुमार यादव आदि मौजूद रहे।

सम्पादकीय

अब उनसे बेहतर क्रिकेट की उम्मीद की जानी चाहिए। दक्षिण अफ्रीका में भी उनके बल्ले से रन तो निकले, मगर एक शतक इंतजार भी लंबा हुआ। ऐसे में लगता है कि उन्होंने इस मामले में सचिन तेंदुलकर का अनुसरण किया। जैसे सचिन ने सन् 2000 में कप्तानी छोडने का फैसला किया था, तब उनके रन बनाने की गति ...

विराट और आहट

शनिवार को सोशल मीडिया के जरिये आई विराट कोहली की टेस्ट क्रिकेट की कप्तानी छोडने की खबर ने क्रिकेट प्रेमियों को चौंकाया। वैसे पिछले दिनों इस तरह के कयास लगाये जा रहे थे कि दक्षिण अफ्रीका दौरे के बाद टीम नेतृत्व में परिवर्तन हो सकता है। फिर सीरीज हारने के बाद इन आशंकाओं को बल मिल रहा था कि संभवतरू कप्तानी में कोई बदलाव हो। वैसे परिस्थितियों के हिसाब से लगा था कि बीसीसीआई से विराट की ट्यूनिंग ठीक नहीं चल रही थी। पिछले दिनों उन्हें जिस तरह वन–डे की कप्तानी से हटाया गया, उससे विराट कहीं न कहीं आहत थे। ऐसे में अफ्रीका में टेस्ट शृंखला जीतना उनके लिये जरूरी था। पहला मैच उनकी कप्तानी में टीम ने जीता, मगर बाद के दो मैच टीम ने गवां दिये। उन्हें लगने लगा था कि दक्षिण अफ्रीका में शृंखला गंवाने के बाद उन्हें हटाया जा सकता है। ऐसे में किसी कार्रवाई से पहले ही उन्होंने कप्तानी छोड़ दी। कुछ क्रिकेट पंडित मानते हैं कि शृंखला के नतीजे से पहले तय हो चुका था कि बीसीसीआई कोहली को टेस्ट कप्तानी से हटाएगी। बहरहाल, कोहली ने कप्तानी को अलविदा कह दिया है। साथ ही कहा कि उन्होंने ईमानदारी से काम किया और कोई कसर नहीं छोड़ी। निस्संदेह, विराट देश के टेस्ट क्रिकेट के सबसे कामयाब कप्तान रहे हैं। विराट ने भारत के लिए 68 मैचों में कप्तानी की और 40 में जीत दिलायी। भारत ही नहीं, विदेशों में भी उनके नेतृत्व में शानदार प्रदर्शन उन्हें कामयाब कप्तान बनाता है। मगर महत्वपूर्ण सवाल यह है कि ऐसे सफल कप्तान की टेस्ट टीम कप्तानी से ऐसी विदाई होनी चाहिए थी? निस्संदेह विराट सम्मानजनक विदाई के हकदार थे। कहा जा सकता है कि विराट और बीसीसीआई के बीच सब कुछ ठीक नहीं चल रहा था। वहीं एक बात यह भी है कि कप्तानी के दबाव में विराट रन बनाने की उस लय से वंचित थे, जिसके चलते उन्हें दुनिया के विस्फोटक बल्लेबाजों में गिना जाता रहा है। अब विराट क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में से किसी भी टीम के कप्तान नहीं हैं। आईसीसी वर्ल्ड टी–20 कप से पहले ही उन्होंने टी–20 टीम की कप्तानी छोडने की बात कह दी थी। अब उनसे बेहतर क्रिकेट की उम्मीद की जानी चाहिए। दक्षिण अफ्रीका में भी उनके बल्ले से रन तो निकले, मगर एक शतक इंतजार भी लंबा हुआ। ऐसे में लगता है कि उन्होंने इस मामले में सचिन तेंदुलकर का अनुसरण किया। जैसे सचिन ने सन् 2000 में कप्तानी छोडने का फैसला किया था, तब उनके रन बनाने की गति प्रभावित हो रही थी। फिर कप्तानी छोडने के बाद आगे तेरह साल सचिन ने खूब क्रिकेट खेला और अच्छे रन बनाये। लगता है कि विराट अब बल्लेबाजी पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। बहुत संभव है कि वे कप्तानी के तनाव से मुक्त होकर लंबी पारियों के लिये खुद को हल्का महसूस कर रहे होंगे। निस्संदेह, अब उनके पास अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान केंद्रित करने का पूरा समय होगा।

कविता

कांप रहे हैं

ठिठुरे हुए हैं गाँव, नगर कांप रहे हैं,
रस्ते सिकुड़ गये हैं, घर कांप रहे हैं ।।

इक ओर कोरोना की है दहशत बढ़ी हुई,
ऊपर से गजब शीत लहर, कांप रहे हैं ।।

हफ्ते में एक दिन भी नहाते नहीं हैं हम !
लगता है पानी देखके डर, कांप रहे हैं ।।

बच्चों को एक हफ्ते की छुट्टी मिली, मगर
स्कूल रोज जाएंगे सर, कांप रहे हैं ।।

अल्फाज बर्फ जैसे मेरे जम रहे इधर,
लगता है पढ़के आप उधर कांप रहे हैं ।।

बिस्तर में गर्म सूट पहनकर घुसे नियाज !
दो– दो रजाइयां हैं, मगर कांप रहे हैं ।।

सिद्धार्थनगर।
नियाज कपिलवस्तुवी/
दैनिक बुद्ध का संदेश

हंसमुख होना दीर्घायु होने का सरल साधन

खुले मन से हंसने वाला व्यक्ति कभी भी हिंसक नहीं हो सकता। जब हंसी के इतने लाभ हैं, तो इससे परहेज क्यों? क्यों न हम सभी वक्त–बेवक्त ठहाका लगाने की आदत को अपनी दिनचर्या बना लें। यौवन का नाम ही हास्य और उल्लास है। जार्ज बर्नार्ड शश्न ने कहा है कि, श्हंसी की पृष्ठभूमि पर ही जवानी के फूल खिलते हैं। जिदंगी हास्य और विनोद के बिना अपनी जिंदादिली खो देती है।श कहा जाता है कि...

देवेन्द्रराज सुथार

हास्य दैवीय गुण और प्रकृति का उपहार है। यह जीवन की एक ऐसी कला है जो परस्पर प्रेम में वृद्धि कर दूरियों को समेटती है। वस्तुतरू जीवन में संतुष्टि का भाव हमें हास्य सिखाता है। अक्सर लोभ और घृणा के आवेश में हम मानवीय प्रकृति के विरुद्ध कार्य कर बैठते हैं। घृणा व्यक्ति को शैतान बना देती है, जबकि हास्य प्रेम का मार्ग प्रशस्त करता है। सुकरात तो जहर का प्याला पीते समय भी मुस्कुरा रहे थे। लार्ड बायरन ने कहा है, श्जब मौका मिले, हमेशा हंसें क्योंकि इससे सस्ती कोई दवा नहीं है।च कभी–कभी जो काम हम दूसरे से लाख सिफारिशों से नहीं करवा पाते, वो काम बस एक मुस्कुराहट कर देती है। डगलस हॉर्टन ने तो हास्य को निरूशुल्क चिकित्सा बताया है। अस्पतालों में डॉक्टर और नर्स हर समय मुस्कुराते हुए चेहरे के साथ मरीज का स्वागत व इलाज करते हैं। उनकी मुस्कान रोगियों के मन में एक उम्मीद जगाती है।

रवींद्रनाथ टैगोर के अनुसार, श्सच्ची मुस्कुराहट ही सौंदर्य है, जब वह एकदम सही दर्पण में अपना चेहरा देखती है।च मुस्कुराहट मधुरता, कृतज्ञता, सकारात्मकता व भावनात्मकता का संकेत है। मुस्कुराहट शीतप्रद है तथा इसमें अद्भुत आकर्षण शक्ति है। चार्ली चौपलिन ने अपने दुख को हास्य बिखेर कर दूर किया व बेशुमार कीर्ति हासिल की। विज्ञान हमें सोचना सिखाता है, लेकिन प्रेम हमें मुस्कुराहट का अहसास कराता है। हमें दुख व परेशानी में मुस्कुराहट ओझल नहीं होने देनी चाहिए, क्योंकि मुस्कुराहट ही वह चाबी है, जिससे किस्मत का ताला खुलता है। बच्चा जब पहली बार रोता है, तो मां के चेहरे पर संतोष और ममता की मुस्कुराहट आ जाती है। इसके साथ ही मुस्कुराहट का भी इंसानी जीवन में जन्म हो जाता है। मुस्कुराने की ताकत केवल इंसान में होती है, कोई जानवर मुस्कुरा नहीं सकता है।

लिहाजा जीवन में हास्य रस होना काफी जरूरी है। हास्य बिना जीवन में नीरसता घुल जाती है। मानव की प्रकृति–प्रदत्त विभूतियों में एक बड़ी ही मोहक विभूति है– हास्य, विनोद। प्रसन्न मुद्रा और उल्लास प्राकृतिक सौंदर्य का अथाह समुद्र है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था कि यदि मुझमें विनोद का भाव न होता, तो मैंने बहुत पहले ही आत्महत्या कर ली होती।

वह मानव बड़ा ही भाग्यशाली है जिसे विधाता से हास्य और विनोद का बहुमूल्य वरदान मिला है। हास्य रस सभी रसों में सबसे सरस एवं सरल है। यह मानव जीवन की आवश्यकता है। आज से ढाई दशक पूर्व जब मुंबई में लाफ्टर क्लबों की स्थापना हुई, तो वहां जाकर हंसने और ठहाके लगाने वालों को देखकर लोग पागल समझते थे, लेकिन जैसे–जैसे रोगी अपने शारीरिक और मानसिक कष्टों से छुटकारा पाकर इन क्लबों से स्वस्थ होकर लौटने लगे तब लोगों को इसके प्रति अपनी धारणा बदलनी पड़ी। जो लोग पहले हंसने वालों को पागल समझ कर उनका मजाक बनाते थे, आज स्वयं इन लाफ्टर क्लबों के सक्रिय सदस्य बनकर कष्टों से निजात पाने की कोशिश में हैं।

दुनियाभर के लोगों ने इस चिकित्सा पद्धति पर अपनी दिलचस्पी और जिज्ञासा जाहिर की है और इसकी जानकारी प्राप्त करने हेतु उनके प्रतिनिधि मुंबई पहुंचकर इस पद्धति का अध्ययन कर रहे हैं। विशेष तौर पर ब्रिटेन, इटली, ऑस्ट्रेलिया, स्पेन और जापान ने इस दिशा में विशेष रुचि दिखाई है। भारत में मुंबई के अलावा कोलकाता, दिल्ली, अहमदाबाद, पटना, पुणे आदि में ये क्लब खुल चुके हैं। मुंबई में काफी साल से किशोर कुवावाला लाफ्टर क्लब चला रहे हैं। उन्होंने मंत्र दिया है– लाफ मुंबई। हंसने से शरीर और मन एकरूप हो जाता है, तो हमारे विचार तुरंत बंद हो जाते हैं। इससे चिंता, व्यग्रता, उदासीनता, अवसाद सब खत्म हो जाते हैं। हंसने से शरीर में बायोकेमिकल प्रतिक्रिया होती है।

कबीर कहते हैंकृ हंसी–खेल में ही हरि से मिलन हो जाए, तो कौन व्यथा की शान पर चढना चाहेगा। भगवान तो तभी मिलते हैं, जब काम, क्रोध और तृष्णा को त्याग दिया जाए। सुप्रसिद्ध जापानी कवि नागूची ने भगवान से वरदान मांगा कि जब जीवन के किनारे की हरियाली सूख गई हो, चिडियों की चहक मूक हो गई हो, सूर्य को ग्रहण लग गया हो, मेरे मित्र एवं साथी मुझे कांटों में अकेला छोड़कर कहीं चले गए हों और प्रकाश का सारा क्रोध मेरे भाग्य पर बरसने वाला हो, तब हे भगवान, तुम इतनी कृपा करना कि मेरे होंठों पर हंसी की एक लकीर खींच जाना। हंसी एक औषधि है जो मन को नीरोगी रखती है और इसके लिए कुछ खर्च भी नहीं करना पड़ता।

खुले मन से हंसने वाला व्यक्ति कभी भी हिंसक नहीं हो सकता। जब हंसी के इतने लाभ हैं, तो इससे परहेज क्यों? क्यों न हम सभी वक्त–बेवक्त ठहाका लगाने की आदत को अपनी दिनचर्या बना लें। यौवन का नाम ही हास्य और उल्लास है। जार्ज बर्नार्ड शॉ ने कहा है कि, श्हंसी की पृष्ठभूमि पर ही जवानी के फूल खिलते हैं। जिदंगी हास्य और विनोद के बिना अपनी जिंदादिली खो देती है।च कहा जाता है कि जिन देशों में लोग बहुत कम हंसते हैं वहां सबसे ज्यादा ब्लड प्रेशर और हृदय रोग के पीडिघ्त होते हैं। दीर्घायु होने का सर्वोत्तम साधन हैकृहंसमुख स्वभाव। कहा भी गया है कि जो हंसते हैं, उनके ही घर बसते हैं।

सामान्य जिंदगी को ओर लौटने के नाम पर हमेशा प्रशासनिक व्यवस्था और आम आदमी द्वारा पुराने ढर्रे की ओर लौटना क्यों होता है? सामान्य जिंदगी के नाम पर इस अस्वस्थ ललक ने ही आज पूरे देश को महामारी की विकट लहर के तीसरे दौर के समक्ष खड़ा कर दिया है। स्थिति के अनुरूप जिंदगी जीने के ढंग में स्थायी परिवर्तन अर्थात शारीरिक अंतर रखने और मास्क पहनने का अनुशासन ही इस देश के ...

जीवन का अनुशासन देगा महामारी से मुक्ति

सुरेश सेठ

जिस तेजी से कोरोना की लहर देश में फैली है, उसने चकित किया है। कहां तो यह सोचा जा रहा था कि भारत में टीकाकरण की रिकॉर्ड सफलता के कारण, एक बरस में ही लोगों को डेढ़ सौ करोड़ टीका लग जाने के कारण कोरोना की तीसरी लहर का मार्ग अवरुद्ध हो जायेगा। कोरोना की दूसरी लहर का दबाव बीते वर्ष के पूर्वार्द्ध में बहुत कम हो गया था। सोचा जा रहा था कि अब पश्चिमी देशों के विपरीत भारत में कोरोना लहर के तीसरे चरण का संक्रामक, रुग्ण एवं मारक प्रभाव या तो होगा ही नहीं, यदि होगा भी तो बहुत हल्का और विलम्ब के साथ।

बीते वर्ष बेशक देश को कुछ खुले महीने मिल गये, जहां टीकाकरण का बोलबाला रहा और संक्रमण की दहला देने वाली खबरें कम होती चली गयीं। देश ने राहत की सांस ली थी। आम लोगों ने तो जैसे महामारी को अलविदा कह दिया। शारीरिक अंतर और मास्क पहनने को तिलांजलि देकर ये सब लोग आम दिनों की तरह पुनरू अपने काम में जुट गये। परिणाम सबके सामने हैं। अपनी जिंदगी को पुनरू पटरी पर लाने के लिये, किसान, उद्यमी, निवेशक और कामगार जुटे थे, अब उखड़ते नजर आ रहे हैं।

वैसे पिछले वर्ष के बीतने के साथ ही नये वर्ष के पहले पखवाड़े में न केवल केंद्रीय सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक ने पुष्टि की कि देश के सात में से छह उत्पादन घटकों ने वर्ष 2020–21 में कोरोना पूर्व के स्तर को स्पर्श कर लिया। रिजर्व बैंक ने स्वीकार किया कि इस वर्ष देश आर्थिक विकास दर में वृद्धि करके 9.2 प्रतिशत प्राप्त कर लेगा, जबकि इससे पहले यह अनुमान 8.5 प्रतिशत का था। जहां तक इससे पिछले वर्ष का संबंध है, कोरोना की प्रथम लहर के प्रहार और एक पूर्ण बंद व एक अपूर्ण बंद के कारण यही आर्थिक विकास दर गिर कर शून्य से भी नीचे –7 प्रतिशत पर चली गयी थी। सकल घरेलू उत्पाद भी कोरोना पूर्व साल 2019 की तुलना में बहुत नीचे चला गया था। नतीजा, बेकारी में बेतहाशा वृद्धि हुई जितनी देश ने पिछले पैंतालीस बरस में नहीं देखी थी और महंगाई का स्तर बढ़कर मनमोहन काल तक चला गया। इसी को नियंत्रित करने की घोषणा मोदी सरकार ने अपनी दूसरी शासन पारी में की थी।

केंद्रीय सरकार और रिजर्व बैंक के इस विकास मूल्यांकन की पुष्टि अंतर्राष्ट्रीय मानक एजेंसियों ने भी कर दी है। वर्षांत के उत्सवों वाले चार महीनों में आम लोगों की ओर से बढ़ती डिमांड ने देश के बाजारों में मांग का अवसाद हर लिया। इससे पहले कोरोना की असाधारण परिस्थितियों में न तो भारत सरकार द्वारा जारी किये गये आर्थिक बूस्टर और न ही रिजर्व बैंक द्वारा जारी रखी गयी उदार साख नीति काम कर रही थी। लोगों का जिंदगी के सामान्य हो जाने में विश्वास लौटा तो ये सभी आर्थिक प्रयास सफल होने लगे।

इस बीच सरकार की आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की घोषणा और वित्त मंत्री द्वारा कुटीर, लघु और मध्यम उद्योगों को प्रोत्साहन की प्रतिबद्धता निवेशकों में उत्साह भर रही थी। तभी तो शेयर मार्केटों में जिंदगी की उछाल और विकास दर और सकल घरेलू उत्पाद में पिछली गिरावट को पूरा कर आगे बढ़ जाने की ललक दिखायी देने लगी। नये बरस की शुरुआत में मिले आंकड़े साहस बढ़ा रहे थे कि कृषि और विनिर्माण क्षेत्र ने तरक्की की है, इसी तेवर के कारण देश 9.2 प्रतिशत विकास दर पर पहुंच जायेगा, जो कि भारत के लिए स्वतरूस्फूर्त दर है।

लेकिन नये बरस की शुरुआत में कोरोना की तीसरी लहर के आगमन का यह अप्रिय कुठाराघात! ओमीक्रोन वायरस के संक्रमण के समाचार कर्नाटक से मिले थे। देखते ही देखते ये समाचार देश के हर राज्य से आने लगे। वहीं इसके साथ दूसरी लहर का डेल्टा प्लस भी तेज होकर अपना संक्रामक प्रभाव दिखाने लगा। तेजी इतनी कि अगर पहली लहर में एक लाख लोगों के संक्रमण का आंकड़ा 149 दिन में पहुंचा था, दूसरी लहर में पचास दिन में और अब मात्र ग्यारह दिन में दोनों वायरसों से संक्रमण का आंकड़ा एक लाख से ऊपर हो गया। इसकी गिरफ्त में केवल महाराष्ट्र, गुजरात और दिल्ली ही नहीं आये, बल्कि पंजाब और हरियाणा भी इसकी गंभीरता झेलने लगे। पंजाब में तो पांच दिनों में संक्रमण ने तीन गुना हो जाने की तेजी दिखायी।

देश के लिए इस महामारी जिसे दोनों वायरसों के संक्रमण के कारण डेल्माक्रोन कहा जा रहा है, की पुनरू अग्निपरीक्षा शुरू हो गयी। लेकिन इस अग्निपरीक्षा से न केवल प्रशासन, बल्कि किसानों, निवेशकों और कामगारों को भी सामना करके सफल होकर निकलना है। जो गलतियां पिछले वर्ष के शुरू के महीने में दूसरी लहर में झेलीं, वह इस बार न हों।

यह लहर हर स्तर पर अधिक तैयारी और अधिक साहस की अपेक्षा कर रही है। पहले तो दोनों महामारियों के प्रकोप से उबरकर संवरती हुई अर्थव्यवस्था को बचाना है। पूर्ण और अपूर्ण लॉकडाउन चलती अर्थव्यवस्था को रोक अवरोध और क्षरण का माहौल पैदा कर देते हैं। इसलिए इस बार सम्पूर्ण के आदेशों के स्थान पर परिस्थितियों के अनुरूप स्थानीय बंदिशों के आदेश दिये जायें और स्थिति सुधरते ही उन्हें हटा दिया जाये।

कटु सत्यों की अवहेलना ही हमें बार–बार इस मझधार में ले आती है। क्या कारण था कि जबकि पश्चिमी देशों में कोरोना की तीसरी लहर रंग दिखाने लगी थी, हमने अपने देश में इसके संभावित आगमन की उपेक्षा कर के टीकाकरण की गति को धीमा कर दिया। लोगों ने अपने व्यावहारिक जीवन में सामाजिक अंतर न रखने और चेहरों पर मास्क न पहनने का जीवन फिर से जीना शुरू कर दिया। रिपोर्ट तो यह कहती है कि भारत ने अपने द्वारा निर्मित टीकों का एक हिस्सा जरूरतमंद देशों को देना शुरू कर दिया और टीका लगाने वाली सिरिंजों का उत्पादन भी कम हुआ।

अब इन हिमालय जैसी भूलों के सुधार के लिए प्रचार अभियान चलाया जा रहा है लेकिन प्रश्न है कि देश ने कोरोना लहरों के पुनरू आगमन की अनिवार्य संभावना को अभी तक स्वीकार क्यों नहीं किया? उसके अनुरूप अपनी जीवनशैली को क्यों नहीं बदला? ये टीके कोरोना निरोधी हैं, प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले। सही है कि भारत द्वारा बनाये गये कोवैक्सीन टीके सफल रहे हैं। लेकिन शोध का यह कारवां द्रुत गति से चलता हुआ अभी तक कोरोना के सटीक उपचार तक क्यों नहीं पहुंचा? पश्चिम के चिकित्सा विज्ञानियों ने इसके उपचार के लिए एंटी वायरल दवा विकसित की है। इसके दाम घटाकर, सहज उपलब्ध बनाकर अभी तक अपने देश की हर दवा मंडी तक पहुंच जाना चाहिये था। ऐसा क्यों नहीं हुआ?

भटनी में सराफा की दुकान में नकब काटकर लाखों की चोरी

देवरिया । भटनी उपनगर के ठाकुर जी कुटी कटरा में स्थित एक सराफा की दुकान में सोमवार की रात नकब काटकर चोरों ने लाखों का आभूषण उड़ा दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच की और जल्द घटना के पर्दाफाश का आश्वासन दिया। चोरी की घटना से दुकानदारों में नाराजगी है। नगर के हरिकीर्तन मोहल्ला के रहने वाले विकास वर्मा की ठाकुरजी कुटी से सटे कटरा में सराफा की दुकान है। सोमवार की रात प्रत्येक दिन की भांति वह दुकान बंद कर अपने घर चले गए। सुबह जब वह दुकान खोल कर अंदर गए तो उनके होश उड़ गए। दुकान में सामान बिखरा पड़ा था और आलमारी टूटी हुई थी। पश्चिम तरफ नकब कटी हुई थी। दुकानदार के अनुसार चार किलो ग्राम चांदी, 50 ग्राम सोना के अलावा दस हजार रुपये नकद भी गायब हैं। सूचना पर उप निरीक्षक सुभाष चंद्र यादव, फोरेंसिक टीम व डाग स्क्वायड की टीम भी पहुंची और घटना की जांच की। डाक क्वायड को भी कोई सुराग नहीं मिला। कुत्ता कुछ दूर जाने के बाद रुक जा रहा था। उप निरीक्षक सुभाष चंद्र यादव ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जल्द ही इस घटना का पर्दाफाश किया जाएगा। मोहल्ले के अन्य दुकानों में लगे सीसीटीवी कैमरे का फुटेज भी देखा जा रहा है। विद्यालय से पानी की टंकी चोरीः बरहज थाना क्षेत्र के करजहां प्राथमिक विद्यालय में रखी पानी की टंकी को सोमवार की रात चोर उठा ले गए। सुबह इसकी जानकारी प्रधानाध्यापक रामश्रृंगार गोड़ को हुई। उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी है।

निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन का करें पालन

महराजगंज। विधानसभा चुनाव को लेकर आयोग द्वारा जारी गाइडलाइन का पालन कराने को लेकर . सदर तहसील सभागार में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट साईं तेजा सीलम की अध्यक्षता में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों और सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट के साथ बैठक हुई। इस दौरान लोगों को आयोग की गाइडलाइन की विस्तार से जानकारी देते हुए इसका पालन करने का सुझाव दिया गया। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट ने कहा कि राजनीतिक दल या संबंधित प्रत्याशी या अन्य ग्रुप जो चुनाव से संबंधित हो, उन्हें रैली की अनुमति 22 जनवरी तक नहीं होगी। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा केवल यह छूट दी गई है कि घर के अंदर अधिकतम 100 व्यक्तियों की बैठक या हाल की क्षमता का 50 फीसद से अधिक व्यक्ति न हो। चुनाव प्रचार में कोविड–19 की गाइडलाइन के अधीन रैली के प्रचार के लिए अधिकतम व्यक्तियों की संख्या की सीमा नियत की जाएगी। मीटिग के लिए राजनीतिक दल मीटिग में भाग लेने वालों के लिए सैनिटाइजर व मास्क वितरित करेंगे। रैली व मीटिग केवल चिन्हित स्थानों पर ही जिला प्रशासन की अनुमति से होगा। इसके लिए 48 घंटे पूर्व ही अनुमति लेनी होगी। रात्रि आठ बजे से सुबह आठ बजे तक रैली या पब्लिक मीटिग की अनुमति नहीं होगी। डोर टू डोर प्रचार के लिए उम्मीदवार को लेकर केवल पांच व्यक्ति की संख्या होगी। इस दौरान तहसीलदार राजेश कुमार श्रीवास्तव, भाजपा जिलाध्यक्ष परदेसी रविदास, कांग्रेस जिलाध्यक्ष शरद कुमार सिंह सहित अन्य पार्टियों के पदाधिकारी, प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मतदान को लेकर सेक्टर मजिस्ट्रेट रहें सतर्कः डीएम

महराजगंज। विधानसभा सामान्य चुनाव में पोलिग पार्टी व पोस्टल बैलेट से मतदान करवाना सेक्टर मजिस्ट्रेट की जिम्मेदारी है। इसलिए अपने दायित्वों को लेकर वह सतर्क रहें। आयोग की गाइडलाइन का भली भांति से अध्ययन कर लें, ताकि मतदान को निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपादित करा सकें। यह निर्देश डीएम, जिला निर्वाचन अधिकारी सत्येन्द्र कुमार ने दिए। वह विधानसभा चुनाव को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित सेक्टर मजिस्ट्रेट की बैठक कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बूथ पर जाने के बाद मौलिक सुविधाओं के सत्यापन के साथ गांव के लोगों से भी संपर्क कर उनके नाम व मोबाइल नंबर भी प्राप्त कर लें। मतदान व अन्य प्रकार की अफवाह व विवाद पैदा करने वाले व्यक्तियों की पहचान कर ली जाए और उन पर निगरानी रखी जाए। चेक लिस्ट के अनुसार सही रिपोर्ट प्रस्तुत करें। जो भी कमियां है, उन्हें अवश्य दर्शाएं, ताकि गहनता से जांच कर उस कमी को दूर कराया जा सके। उन्होंने बीएसए को निर्देश दिया कि कोविड के कारण विद्यालय बंद हैं। इसलिए प्रधानाध्यापकों को निर्देशित करें कि विद्यालय पर कोई न कोई अध्यापक उपस्थित रहे, जिससे बूथ की सही तरीके से जांच हो सके। उन्होंने कहा कि 80 वर्ष आयु तथा दिव्यांग व अशक्त मतदाता के लिए फार्म 12–डी का वितरण बीएलओ द्वारा किया जा रहा है। उसकी पावती पत्र की प्राप्ति को अवश्य सुनिश्चित कराएं। फरवरी के प्रथम सप्ताह में सभी फार्म 12–डी को प्राप्त कर उनकी जांच के बाद उन्हें मतदान के लिए चिन्हित किया जाना है। पोस्टल बैलेट के द्वारा मतदान के दिन मतदान भी कराना एक अहम जिम्मेदारी होगी। मुख्य विकास अधिकारी गौरव सिंह सोगरवाल, अपर जिलाधिकारी डा. पंकज कुमार वर्मा, अपर पुलिस अधीक्षक निवेश कटियार, अपर उप जिलाधिकारी मदन मोहन वर्मा सहित सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट उपस्थित रहे।

आसमान में छाए रहे बादल, गलन ने बढ़ाई लोगों की परेशानी

महराजगंज। मौसम का सितम जारी है। पूरे दिन कोहरे की चादर बिछी रही, वही आसमान में बादल छाए रहे। सूर्य के दर्शन नहीं हुए। लोग सर्दी से ठिठुरते रहे। अगले दो दिन में तापमान में और गिरावट आ सकती है। अधिकतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं न्यूनतम तापमान सात डिग्री सेल्सियस रहा। सुबह की शुरुआत घने कोहरे के साथ हुई। घने कोहरे से सड़कों पर दृश्यता कम हो गई। इसके चलते वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। गोरखपुर से महराजगंज और सोनौली की ओर से ट्रक में माल लादकर आ रहे ट्रक चालकों ने बताया कि घने कोहरे के कारण .सुबह ट्रक रोक कर कोहरा छटने का इंतजार करना पड़ा। इधर शहर में तापमान में गिरावट आने से लोग ठंड से काफी परेशान रहे। जिला अस्पताल में मरीजों के साथ आए तीमारदारों को भी ठिठुरना पड़ा।

सरसों में रोग लगने की आशंका

महराजगंज। बदलता मौसम गेहूं की फसल के लिए भले ही अनुकूल हो, लेकिन आलू, मिर्च, टमाटर, सरसों व केला की फसल में रोग लगने की संभावना बढ़ गई है। जिला कृषि रक्षा अधिकारी हिमांचल सोनकर ने बदलते मौसम और फसलों पर पड़ रहे प्रभाव के बारे में बताया कि गेहूं की फसल कोहरे पड़ने पर अच्छी होगी, लेकिन अन्य फसलों को नुकसान हो सकता है। किसानों को फसलों की निगरानी की जरूरत है। इस समय आलू, मिर्च व टमाटर की फसल में झुलसा रोग लगने की संभावना है। फसलों को झुलसा रोग से बचाने के लिए किसान मेटीरम 55 फीसद, पाइराक्लोस्ट्राविन पांच फीसद तीन ग्राम दवा को एक लीटर पानी की दर से घोल तैयार करें और इसका छिड़काव करें। उन्होंने बताया कि सरसों में सफेद गेरुई रोग व अल्टरनेरिया रोग लगने की संभावना है। इसमें फलियां कम बनती है। तना टेढ़ा मेढ़ा हो जाता है। पत्तियों पर काले धब्बे बनते हैं। किसानों को मेटालाक्विसल आठ फीसद, मैकोजेब 64 फीसद का पांच ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिए।

टीकाकरण में लापरवाही, दो ग्राम प्रधानों को नोटिस जारी करने के निर्देश

देवरिया । कोरोनारोधी टीकाकरण को लेकर जिला प्रशासन गंभीर है। रामपुर कारखाना व देसही विकास खंड के टीकाकरण केंद्रों का जिलाधिकारी आशुतोष निरंजन ने निरीक्षण किया। इस दौरान टीकाकरण में लापरवाही मिलने पर दो ग्राम प्रधानों को नोटिस देने का डीपीआरओ को निर्देश दिया। जिलाधिकारी के सख्त निर्देश के बाद ग्राम प्रधानों में खलबली मच गई है। जिलाधिकारी आशुतोष निरंजन सुबह देसही देवरिया के बसंतपुर का निरीक्षण किए। इस दौरान ग्राम प्रधान नरसिंह सिंह से उन्होंने ने टीकाकरण कम होने के बारे में जानकारी ली तो उन्होंने बताया कि गर्भवती व बीमार लोगों को कोरोनारोधी टीका नहीं लगाया जाना है। इस लापरवाही व गलत सूचना देने पर जिलाधिकारी सख्त हो गए और शाम तक टीकाकरण कार्य पूरा न होने पर ग्राम प्रधान को 95जी की नोटिस देने के साथ ही गांव में त्रिस्तरीय कमेटी का गठन कर देने का जिला पंचायत राज अधिकारी अविनाश कुमार को मौके पर ही दिया। इसके बाद जिलाधिकारी रामपुर कारखाना के सिरसिया नंबर एक पर पहुंचे, जहां टीकाकरण ठीक–ठाक पाया गया। जबकि खाड़े छापर में भी टीकाकरण में लापरवाही नजर आई तो ग्राम प्रधान सनोज वर्मा को नोटिस जारी करने का जिलाधिकारी ने निर्देश दिया। जिला पंचायत राज अधिकारी ने कहा कि दोनों ग्राम प्रधानों को नोटिस जारी करने का निर्देश है। कार्य में सुधार न होने पर नोटिस जारी किया जाएगा। यह होती है नोटिसः ग्राम प्रधान कर्तव्य व अपने दायित्व का निवर्हन ठीक ढंग से नहीं करता है तो 95जी की नोटिस दी जाती है। इसके नोटिस के देने के बाद ग्राम प्रधान संतोषजनक जवाब नहीं देता है तो उसे पद से हटा दिया जाता है। उसके बाद त्रिस्तरीय कमेटी का गठन किया जाता है।

एसटीएफ की रडार पर 17 शिक्षक

देवरिया। जिले में अनुदानित व परिषदीय विद्यालयों में शिक्षकों की नियुक्ति में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की गई है। एसटीएफ की रडार पर जिले में तैनात 17 शिक्षक हैं। जिनके बारे में एसटीएफ ने बीएसए से जानकारी मांगी है। इसमें कुछ के कागजात भी एसटीएफ तक पहुंच चुके हैं। जिले में परिषदीय विद्यालयों में शिक्षकों की नियुक्ति में धांधली की जांच एसटीएफ कर रही है। अभी तक 53 शिक्षकों को फर्जी कागजात पर नौकरी करते हुए पकड़े जाने के बाद बर्खास्त किया जा चुका है। अभी भी कुछ ऐसे शिक्षक हैं, जो दूसरे के प्रमाण पत्र या फर्जी प्रमाण पत्र पर नौकरी कर रहे हैं। इनको एसटीएफ अब चिन्हित करने में जुटी है। साथ ही उनकी जानकारी भी बीएसए से मांगी है। बेसिक शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार राय ने बताया कि एसटीएफ जो जानकारी मांगती है, उसे उपलब्ध कराया जाता है। जिस विद्यालय की शिकायत आई थी, उस मामले में कार्रवाई हो चुकी है। अन्य विद्यालयों को चिन्हित किया जाएगा। अनुदानित विद्यालयों में भी नियुक्ति में हुई है गड़बड़ीः जिले में परिषदीय विद्यालयों के साथ ही अनुदानित विद्यालयों में भी शिक्षकों की नियुक्ति में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की गई है। शिक्षकों की नियुक्ति में नियम को ताख पर रख कर 2008 के पहले बीएड की डिग्री पर की गई है। जबकि उस समय केवल बीटीसी डिग्री ही नियुक्ति के लिए मान्य थी। मनिहारी में इस तरह की डिग्री पर हुई नियुक्ति के मामले में आठ शिक्षकों पर कार्रवाई करते हुए सेवा समाप्त की जा चुकी है। ऐसे शिक्षकों पर भी एसटीएफ की नजर है।

कुष्ठ रोगियों को चिह्नित करें आशा कार्यकर्ता

महराजगंज। राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सदर पर आशा संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान आशा कार्यकर्ताओं को कुष्ठ रोगियों को चिन्हित करने के लिए संबंधित रोग के लक्षण बताए गए। सीएचसी अधीक्षक केपी सिंह ने बताया कि आशा कार्यकर्ता गृह आधारित नवजात देखभाल भ्रमण, कोविड सर्वे, टीकाकरण से वंचित लोगों के चिह्नितकरण के दौरान कुष्ठ रोगियों को भी खोजें। साथ ही उनके इलाज के लिए अस्पताल पर भेजें। ताकि उन्हें चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध हो सके। कुष्ठ रोगियों के निश्शुल्क इलाज की सुविधा है। उन्होंने बताया कि दिव्यांगता के बिना के कुष्ठ रोगी खोजने पर 250 रुपये एवं दिव्यांगता के साथ कुष्ठ रोगी खोजने पर 200 रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाती है।

इसके अलावा प्रत्येक पीबी उपचार पूरा करने के लिए 400 रुपये तथा एमबी उपचार पूरा करने के लिए 600 रुपये के भी पात्र होंगे। प्रशिक्षक मो. शब्बीर खान, एसपी सिंह, सत्यमणि ने आशाओं को कुष्ठ रोगियों की पहचान करने के लक्षण में विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान विंध्यवासिनी, रीता, आरती सहित बड़ी संख्या में आशा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कुष्ठ रोग के लक्षण – कोई व्यक्ति जिसकी चमड़ी बदरंग और चमड़ी में मोटापन हो। – चमड़ी का दाग जिसमें सून्नापन हो। – चमड़ी चमक अथवा दाने हो और आंख बंद करने में कठिनाई हो। – दाग, चकत्ता जिसमें पसीना न आता हो। – हाथ पैर के नसों में मोटापन, सूजन तथा झनझनाहट हो। – आंखों का भौंह झड़ गया हो तथा कान पर गांठ हो। – हाथ पैर की उंगली में टेढ़ापन हो। – हाथ तथा पैर के तलवों में सून्नपन हो। – घाव जो इलाज के बाद ठीक न होता हो। दो तरह के होते हैं कुष्ठ रोग

कुष्ठ रोग एमबी एवं पीबी दो तरह का होता है। शरीर में पांच से अधिक संवेदनशील दाग और दो नर्भ प्रभावित रहने वाला व्यक्ति एमबी तथा एक से पांच संवेदनशील दाग और एक नर्भ प्रभावित रहने वाले व्यक्ति पीबी कुष्ठ रोगी की श्रेणी में आता है। यह भी जानिए

कुष्ठ रोगियों का नियमित इलाज के बाद रोग के कीटाणु समाप्त हो जाते हैं। चिकित्सकों के अनुसार एमबी कुष्ठ रोगी को सरकारी अस्पतालों में 12 ब्लीस्टर दवा एवं पीबी कुष्ठ रोगी को छह ब्लीस्टर दवा उपलब्ध कराया जाता है, जिसे खाना जरूरी है। एक ब्लीस्टर दवा 28 दिन का रहता है।

चुनाव कराने दूसरे जनपद जाएंगे 700 होमगार्ड

महराजगंज। विधानसभा चुनाव कराने के लिए जिले के 700 होमगार्ड दूसरे जनपदों को जाएंगे। इसको लेकर जिला होमगार्ड कमांडेंट विंध्याचल पाठक ने बताया कि प्रथम चुनाव 10 फरवरी से पूर्व फोर्स भेजी जाएगी।

चुनाव के पूर्व सभी होमगार्ड जवानों को कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए बूस्टर डोज का टीका लगवाने का निर्देश दिया गया है।

गृहकर वसूली में नगर पालिका फिसड्डी

महराजगंज। नगर पालिका परिषद महराजगंज गृहकर वसूली में फिसड्डी साबित हो रहा है। सरकारी कार्यालयों के भवनों समेत नगर के नौ हजार परिवारों पर नगर पालिका का करीब एक करोड़ चार लाख रुपये गृहकर बकाया है, लेकिन वसूली में लापरवाही व भेदभाव के कारण गृहकर बकाया एक बड़े बकाया के रूप में सामने खड़ा हो गया है। यह आलम उस वक्त है जब नगर पालिका में गृहकर वसूली के लिए नौ कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। नगर पालिका परिषद महराजगंज के 25 वार्डों में कुल व्यावसायिक प्रतिष्ठानों समेत कुल नौ हजार 200 मकानों को नगर पालिका ने गृहकर के लिए चिह्नित किया है। इनपर अबतक करीब एक करोड़ चार लाख रुपये गृहकर बकाया है। दिसंबर माह में यह बकाया एक करोड़ 21 लाख 52 हजार थी, जिसमें नगर पालिका ने कुल 17.52 लाख रुपये की वसूली एक माह में किया था। भेदभाव के कारण वसूली को नहीं मिल पा रही रफ्तारः नगर पालिका परिषद महराजगंज में गृहकर वसूली में कर्मचारियों के भेदभाव किए जाने के कारण यह वसूली रफ्तार नहीं पकड़ पा रही है। कहीं सभासदों का खौफ तो कहीं किसी बड़े अधिकारी के रौब के चलते कई सरकारी विभाग व बड़े बकायेदारों ने आजतक गृहकर जमा नहीं करते हैं। नगर पालिका कार्यालय से उनके नाम से नोटिस तो निकलती है, लेकिन उनके पास तक नहीं पहुंचती। गृहकर वसूली को लेकर कोई बेहतर प्लान न बनाना भी इसका मुख्य कारण है। गृहकर वसूली के लिए कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। नगर वासियों को भी चाहिए कि वह समय–समय पर नगर की सेवाएं लेने के संबंधित कर को समय से जमा करें ।

एलएमजी माउंट फोर्स करेगी वल्नरेबल बूथ की निगरानी

महराजगंज। विधानसभा चुनाव को सकुशल संपन्न कराने के लिए निर्वाचन आयोग हर बिदुओं पर तैयारी कर रहा है। शांतिपूर्ण ढंग से मतदान पूरा हो इसके लिए सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी भरपूर इंतजाम किए जा रहे हैं, इसमें पिछले चुनावों में गड़बड़ी करने वाले बूथों को कई श्रेणियों में चिह्नित किया गया है, इसमें सबसे अधिक वोट देने से रोकने वाले फरेंदा के हर्रैया बूथ को वल्नरेबल (असुरक्षित), जबकि 327 बूथों को क्रिटिकल में रखा गया है। क्रिटिकल बूथों पर केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती के अलावा वल्नरेबल बूथ पर एलएमजी माउंट फोर्स (लाइट मशीन गन के साथ ऊंचे स्थानों पर तैनात फोर्स) मौजूद रहेंगे। महराजगंज सदर, सिसवा, फरेंदा व नौतनवा व पनियरा विधानसभाओं के लिए कुल 1147 मतदान केंद्र व 2221 मतदेय स्थल बनाए गए हैं। इसमें संवेदनशीलता को देखते हुए मतदेय स्थलों में 327 क्रिटिकल व मात्र एक को वल्नरेबल मतदेय स्थल की श्रेणी में चिह्नित किया गया है। क्रिटिकल की संज्ञा ऐसे मतदेय स्थलों को दी गई है, जहां 70 फीसद से अधिक पूर्व में मतदान हुआ हो, या लड़ाई–झगड़ा होता रहा हो। पूर्व के इतिहास के आधार पर इसको चिह्नित करके यह देखा जाएगा कि कही यहां जानबूझकर अधिक मतदान तो नहीं कराया गया। वहीं, वल्नरेबल मतदेय स्थलों को इस लिहाज से शामिल किया गया, जहां पर कोई दबंग व्यक्ति, एक समुदाय विशेष का दबदबा व किसी कारण से प्रभावित रहा हो। ऐसे ही व्यक्ति को चुनाव से पहले पुलिस गुंडा एक्ट में चालान करती है। पुलिस अधीक्षक प्रदीप गुप्ता ने बताया कि प्रत्येक क्रिटिकल मतदान केंद्र पर आधा सेक्सन पैरामिलिट्री फोर्स सहित एक उपनिरीक्षकों, जबकि वल्नरेबल बूथ पर एक निरीक्षक, दो उपनिरीक्षकों समेत एलएमजी माउंट फोर्स तैनात रहेगी।

बूथ का निरीक्षण कर डीएम ने दिए निर्देश

महराजगंज। विधान सभा चुनाव को लेकर डीएम सतेन्द्र कुमार ने . बड़हरा बरईपार गांव के कन्या विद्यालय के बूथ का निरीक्षण किया। डीएम ने बीएलओ से मतदाता की अपेक्षा कम मतदान होने का कारण पूछा। इस दौरान प्रधान ने बताया कि यहां अधिकतम लोग रोजी रोजगार के लिए बाहर रहते है, जिस वजह से मतदान कम होता है। डीएम ने बीएलओ को दिव्यांग व बीमार लोगों को चिन्हित कर उनका फार्म डी भरने का निर्देश दिया। इसके बाद डीएम ने कोरोना टीकाकरण केंद्र का निरीक्षण किया। टीकाकरण दर कम होने पर नाराजगी जताते हुए शत–प्रतिशत टीकाकरण करने का निर्देश दिया। अपर एसडीएम मदन मोहन वर्मा, बीडीओ लक्ष्मण चतुर्वेदी, एडीओ पंचायत विनय पांडेय, ग्राम प्रधान हेसामुद्दीन, बीसीपीएम अमित कुमार, शकुंतला कश्यप, प्रभारी निरीक्षक आनंद गुप्ता आदि लोग उपस्थित रहे।

खोपापार के छोटे गांधी के रूप में प्रसिद्ध थे पण्डित रामबली मिश्र

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोरखपुर। आजादी की लड़ाई में जनपद के दक्षिणांचल में स्थित वर्तमान गोला तहसील क्षेत्र का खोपापार गाँव ब्रिटिश हुकूमत में छोटा साबरमती के नाम से प्रसिद्ध था और पण्डित रामबली छोटे गाँधी के रूप में प्रसिद्ध थे यह छोटा सा गाँव पूर्वांचल के राष्ट्रीय चेतना का केंद्र बिन्दु बन गया था। इस गांव में क्षेत्र के सभी वीर सपूत दिग्गज कांग्रेसी भारत माँ को स्वतंत्र कराने निकले आवाज रणबांकुरे आश्रय पाते थे। परंतु आज आजादी मिलने के बाद भी इस गाँव में कुछ भी नहीं है जिससे इन बलिदानियों के विषय में सही जानकारी मिल सके । बताते चलें कि छोटे गाँधी के रूप में प्रसिद्ध ब्रिटिश हुकूमत को हिलाने देने वाले पण्डित रामबली मिश्र का जन्म उरूवा ब्लाक के माल्हनपार के नजदीक भरवलिया गाँव में हुआ था ।बचपन में पिता के निधन के बाद उनकी माता जी अपने मायके खोपापार आ गयी और पिता के यहां आकर रहने लगी अपने को पीस हारिन का पुत्र कहने वाले श्री मिश्र की प्रारम्भिक शिक्षा बनवारपार देईडीहा स्कूल से प्राप्त हुई मिडिल की शिक्षा गोला से प्राप्त हुई सन 1920 में जिला परिषदीय विद्यालय बारानगर में अध्यापक नियुक्त हुए ।परन्तु उस समय राजनैतिक हालात के परिणाम स्वरुप उनके मन में भी राष्ट्रप्रेम की तरंगे तरंगित हो उठी । साइमन कमीशन

जलियांवाला बाग हत्याकाण्ड तथा महात्मा गाँधी द्वारा चलाए जा रहे असहयोग आंदोलन के परिणाम स्वरुप अपनी नौकरी से इस्तीफा देकर देश को गुलामी की बेड़ियों से मुक्ति दिलाने के लिए सत्याग्रही बन गए अंग्रेजों ने उन्हें जेल में डाल दिया जेल में ही थे तो उनकी माता का देहावसान हो गया ।इन दिनों में राजीव नाम से राष्ट्र प्रेम सम्बन्धी कविताएं लिखते थे। परंतु चौरी चौरा की घटना के बाद गाँधी जी द्वारा असहयोग आंदोलन वापस लिए जाने से पूरा देश स्तब्ध हो गया सन 1921 में पंडित रामबली में गुरुकुल कांगड़ी हरिद्वार में बतौर अध्यापक नियुक्त हुए और विद्यालय का वार्डन बन गए उस समय उन्होंने छात्रावास प्रांगण में तिरंगा झंडा फहराया अंग्रेजी सरकार के आदेश पर विद्यालय के प्रधानाचार्य ने तिरंगा झंडा हटाने को कहा मिश्र ने त्याग पत्र दे दिया और अपने गाँव खोपापार आकर गाँधी की हिंदी भाषा देवनागरी लिपि का प्रचार–प्रसार करने लगे स्वतंत्रता आंदोलन के प्रशिक्षण केंद्र के रूप में अनेक विद्यालय खोला सन 1930 में हिंदी साहित्य विद्यालय खोपापार व 1940 में अखिल भारतीय चरखा संघ की स्थापना किया। यह सारे विद्यालय आवासीय थे क्षेत्र के लोगों के सहयोग से विद्यालय का खर्चा चलता था। इस विद्यालय में महाराष्ट्र तमिलनाडु आंध्र प्रदेश गुजरात आदि प्रान्त के छात्र आकर शिक्षा ग्रहण करते थे। इस की सराहना महात्मा गाँधी ने 1936 में अपनी हरिजन पत्रिका में इसका पूर्वांचल राष्ट्रीय चेतना केंद्र के रूप में उल्लेख किया था। 1942 में अंग्रेजों द्वारा पण्डित रामबली मिश्र के यहां खोपापार में आक्रमण कर घर जला दिया गया। साथ ही उनके यहां चल रहे चरखा केंद्र को भी फुक दिया गया। अंत में पण्डित रामबली मिश्र व उनकी पत्नी कैलाशी देवी को गोरखपुर जेल में बन्द कर दिया गया। जेल में ही इन लोगों की मुलाकात बलिया जिले के रामपुर कानूनगो गाँव के निवासी चन्द्रिका प्रसाद वकील व उनकी पत्नी से हुई ।जो दोनों लोग आजादी की में लड़ाई में जेल में बन्द थे। जेल में ही चन्द्रिका प्रसाद के पत्नी का निधन हो गया। उनके पास दो पुत्र थे बड़े पुत्र को पण्डित रामबली मिश्र ने गोद ले लिया। जेल से छूटने के बाद 1952 में कैलाश कैलाशी देवी धुरियापार विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़कर विधायिका बनी दोनों स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी आज नहीं है लेकिन उनका गाँव आज भी उपेक्षा का शिकार बना हुआ है। इस गाँव पर शासन प्रशासन का ध्यान हो जाता तो गाँव विकास के पथ पर अग्रसर रहता।

गोपालपुर ने जेएमडी गोला को 5 विकेट से हराया

मैच का उद्घाटन करते अतिथि गण

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोला/गोरखपुर। नगर पंचायत गोला के पक्का घाट स्थित रामबाग में

चल रहे माँ सरयू युवा क्रिकेट प्रतियोगिता बुधवार को सेमीफाइनल मुकाबले मे जेएमडी गोला और गोपालपुर के बीच मैच खेला गया।गोपालपुर ने जेएमडी गोला को 5 विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। जेएमडी गोला की टीम निर्धारित 10 ओवर में बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट के नुकसान पर गोपालपुर की टीम को जीत के लिए 126 रनों का लक्ष्य रखा। गोपालपुर की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 8 ओवर में ही 127 रन बना कर मैच को जीतकर फाइनल में प्रवेश किया। मैन ऑफ द मैच शेरू चुने गए जिन्होंने 57 रन योगदान अपने टीम को दिया। दूसरी पाली मे चंद्राश गोला ने टास जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 10ओवर में 174 रनो का लक्ष्य दिया।लक्ष्य का पीछा करते हुए उतरी बीसीसी भड़सरा ने 8 ओवर में ही 83 रन बनाकर आल आउट हो गई। मैन ऑफ द मैच पंकज सिंह चुने गये। जिन्होंने 33 गेंद खेल कर 117 रन का योगदान अपनी टीम को दिया। मैच का उद्घाटन मुख्य अतिथि समाज सेविका पूनम गुप्ता अभय साहू और जमिल कुरैशी रहे जिन्होंने फीता काटकर और खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। इसके पश्चात मुख्य अतिथि गणों ने कहा कि खेल से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बना रहता है। आगे कहा कि खेल में संगठित होकर खेलना अच्छे खिलाड़ियों की पहचान होती है। क्योंकि संगठन जहा मजबूत होगा वहा आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। निर्णायक सत्यव्रत मिश्र व दुर्गेश रहे। उद्घोषक अभय पाण्डेय रहे। आयोजक गौतम वर्मा ने आए हुए अतिथि व आगंतुक गणो के प्रति आभार प्रकट किया। इस कैनवस भारत क्रिकेट प्रतियोगिता का रोमांटिक मैच को देखने के लिए दर्शक गण शाम तक जमे रहे।इस टूर्नामेंट का जोरदार फाइनल मैच आज गोपालपुर और चंद्राश गोला के बीच खेला जाएगा।

कोविड टीका लगवाएं और भारत को कोरोना मुक्त बनाएंः डॉ. सूर्यकांत

दैनिक बुद्ध का संदेश

अलीगढ़। कोविड टीकाकरण के एक साल पूरे होने पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन–उत्तर प्रदेश के कोविड टीकाकरण के ब्रांड एंबेस्डर व केजीएमयू के रेस्परेटरी मेडिसिन विभाग के अध्यक्ष डॉ. सूर्यकान्त ने अपना अनुभव साझा किया। उन्होंने कहा कि साल भर के अनुभव और दुनिया के आ रहे अध्ययन से यह साफ पता चलता है कि कोविड–19 के संक्रमण से अगर खुद के साथ घर–परिवार व समुदाय को सुरक्षित रखना है तो कोविड टीकाकरण कराना सभी पात्र लोगों के लिए बहुत जरूरी है । टीकाकरण के साथ जरूरी प्रोटोकाल (पाँच मंत्र) का पालन भी सभी की भलाई के लिए आवश्यक है । ज्ञात हो कि 16 जनवरी 2021 से शुरू हुए कोविड टीकाकरण के पहले दिन पहला टीका डॉ. सूर्यकान्त ने लगवाया था । डॉ. सूर्यकान्त का कहना है कि कोविड की पहली लहर में तो बचाव का कोई टीका था ही नहीं लेकिन दूसरी लहर में ज्यादातर वही लोग गंभीर रूप से कोरोना की चपेट में आए जिन्होंने टीका नहीं लगवाया था। देश में इसबीच कोरोना एक बार फिर तेजी से पाँव पसार रहा है। ऐसे में अभी हाल ही में मुंबई के एक अस्पताल से आए आँकड़े बताते हैं कि अस्पताल में भर्ती होने वाले 95 फीसद कोरोना संक्रमित ने टीके की दोनों डोज नहीं लगवा रखी थी। इसलिए सभी से यही अपील है कि संक्रमण को रोकने के लिए जब जिसकी बारी आए टीकाकरण जरूर कराएं। टीका कोरोना से सुरक्षा तो प्रदान ही करेगा और अगर उसके बाद भी कोरोना की चपेट में आते हैं तो ऐसी गंभीर स्थिति नहीं बनेगी की अस्पताल में भर्ती होने

की नौबत आए। डॉ. सूर्यकान्त का कहना है कि देश के साथ ही प्रदेश ने एक साल के भीतर अभियान चलाकर ज्यादा से ज्यादा लोगों को टीका लगाने का कीर्तिमान बनाया है। इसे अभी आगे भी जारी रखना है ताकि कोरोना को पूरी तरह से खत्म करने में देश कामयाब बन सके। उन्होंने कहा कि अगर प्रदेश की बात करें तो 18 साल से अधिक उम्र के करीब पौने पंद्रह करोड़ लोगों को टीका लगाना था जिसमें से करीब 13.71 करोड़ (93 फीसद) को पहली डोज लगाई जा चुकी है और 8.56 करोड़ (58 फीसद) को दोनों डोज लग चुकी है। 10 जनवरी से फ्रंट लाइन और हेल्थ केयर वर्कर के साथ ही 60 साल से अधिक उम्र के गंभीर बीमारी से ग्रसित बुजुर्गों को प्री काशन डोज (एहतियाती डोज) लगाई जा रही है, जिसके तहत अब तक करीब 3.84 लाख लोगों ने इस डोज को भी अपनाया है। 15 से 18 साल के किशोर–किशोरियों का भी टीकाकरण भी इसी माह तीन जनवरी से शुरू हुआ है। प्रदेश में इस श्रेणी के करीब 1.40 करोड़ बच्चों को टीका लगना है, जिसमें से 12 दिन में लगभग 50 लाख बच्चों का टीकाकरण किया जा चुका है। 12 साल से कम उम्र के बच्चों का टीकाकरण अभी नहीं चल रहा है, ऐसे में घर के सभी बड़ों की जिम्मेदारी है कि वह अपने साथ उन छोटे बच्चों की सुरक्षा के लिए टीके की निर्धारित डोज जल्दी से जल्दी लगवा लें।

पाँच जरूरी मंत्र अपनाएं कोरोना से समुदाय को सुरक्षित बनाएं– डॉ. सूर्यकान्त का कहना है कि यह बात शुरू से बताई जा रही है कि कोरोना को मात देना है तो दो काम हाथों के लिए बहुत जरूरी हैं और दो काम पैरों के लिए। इसके तहत सबसे पहले तो किसी से भी हाथ मिलाने की जगह नमस्कार करना है और दूसरा हाथों को बार–बार साबुन–पानी से धुलते रहना है। तीसरा मंत्र यह है कि पैरों को भीड़भाड़ में जाने से रोकना है और चौथा एक दूसरे से दो गज की दूरी बनाए रखनी है। पाँचवाँ और आखिरी सबसे जरूरी मंत्र है कि मास्क से परेशान हुए बगैर उसका पालन करें क्योंकि कोरोना हर जगह और हर वक्त ताक लगाए बैठा है। जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाते हुए सार्वजनिक जगहों पर हमेशा मास्क लगाकर रखें। यह कोरोना ही नहीं बल्कि वायु प्रदूषण व टीबी–निमोनिया समेत कई अन्य संक्रामक बीमारियों से भी बचाएगा।

नंदिनी शुक्ला के संपर्क अभियान से मजबूत होगी बीजेपी,विधानसभा चुनाव में महिलाओं से मिलेगा लाभ

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर । लाभार्थी संपर्क अभियान के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी महिला विंग की मीडिया प्रभारी नंदनी शुक्ला शुक्ला इन दिनों घर घर जाकर महिलाओं को मोदी योगी के योजनाओं से रूबरू कराते हुए सरकार को मजबूत करने में लगी हुई हैं नंदनी शुक्ला का यह प्रयास निश्चित रूप से आने वाले समय में विधानसभा चुनाव से लेकर लोकसभा चुनाव तक में महिलाओं में सरकार की जबरदस्त पैठबनाने में सफल होगी। आपको बता दें कि महिला मोर्चा मीडिया प्रभारी नंदनी शुक्ला युवा भाजपा नेत्री हैं जो सदर बलरामपुर से

लगातार ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर सरकार की योजनाओं को एक अभियान के रूप में जोड़कर महिलाओं को जागरूक करने में लगी हुई हैं इन दिनों विधानसभा चुनाव की आहट पाते ही बिना किसी स्वार्थ के देश हित में मोदी योगी के कार्य को देखते हुए पार्टी को लगातार मजबूत करती नजर आ रही हैं नंदनी शुक्ला के संपर्क अभियान की बात की जाए तो ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के बीच नंदिनी शुक्ला का नाम लिया जाता है तो ग्रामीण महिलाएं काफी प्रशंसा करती हुई नजर आती हैं यह कहीं ना कहीं पार्टी को मजबूत प्रदान कर रहा है साथ ही विधानसभा चुनाव में बीजेपी प्रत्याशी को जीत दिलाने में भी सार्थक होगा लाभार्थी संपर्क अभियान में महिलाओं को मोदी सरकार द्वारा दिए गए उज्ज्वला योजना ,प्रधानमंत्री आवास, मुफ्त राशन, पेंशन ,श्रम पेंशन, आदि योजनाओं को घर–घर पहुंचा कर जागरूक कर रही है लाभार्थी संपर्क अभियान में जिनको अभी तक लाभ नहीं मिला है प्रधानमंत्री योजना में लाभ दिलाने के लिए उनका भी पंजीकरण करवाती नजर आ रही हैं नंदनी शुक्ला के साथ इस समय नगर अध्यक्ष सीमा सिंह भी लगातार बलरामपुर नगर मंडल व देहात मंडल में पहुंच कर जनसंपर्क कर रहीं है यह बलरामपुर में भाजपा प्रत्याशियों को लाभ दिलाने में सार्थक साबित होगा, अभियान में भाजपा मीडिया प्रभारी नंदनी शुक्ला ने गुजरात से आए हुए प्रवासी महिला निराली नायक के साथ लगातार जनसंपर्क अभियान कर लोगों को महिला सम्मान सशक्त सशक्तिकरण, निशुल्क राशन वितरण ,सरकार द्वारा वैक्सीनेशन ,किसान सम्मान योजना जैसी सुविधाओं की जानकारी भी दे रही हैं प्रवासी महिला निराली नायक, नंदनी शुक्ला के प्रयासों को देखकर हैरान है लोगों को यह भी बताती नजर आ रही हैं कि आने वाले विधानसभा 2022 के चुनाव में भाजपा के जो भी प्रत्याशी बनाए जाते हैं उनको जीता कर योगी मोदी के हाथों को मजबूत बनाएं।

वैक्सीनेशन के लिए एनसीसी कैडेटों ने लोगों को किया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। कोरोना संक्रमण के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए

एम एल के महाविद्यालय के एन सी सी कैडेटों द्वारा बुधवार को वैक्सीन लेने के लिए जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान कैडेटों ने लोगों को कोरोना टीका लगवाने की अपील की। बुधवार को 51 वीं यू पी बटालियन एन सी सी के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल अरविंद सूद व एम एल के महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर जे पी पाण्डेय के निर्देशन में कैडेटों ने जागरूकता अभियान चलाया। महाविद्यालय के एन सी सी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ देवेन्द्र कुमार चौहान की अगुवाई में कैडेटों के एक दल ने सिटी पैलेस के आस–पास के वार्डों में जाकर 15 वर्ष के ऊपर के उम्र के सभी लोगों से कोरोना वैक्सीन लेने की अपील की इस दौरान कैडेटों ने हाथ मे कोरोना वैक्सीन जागरूकता लिखे स्लोगन की तख्तियां लेकर लोगों को जागरूक किया। इस अवसर पर अंडर ऑफिसर स्वपनिल राज पाठक, विपिन शुक्ल, स्नेहा सिंह, अनुष्का सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

बनवासी सेवा आश्रम में एक दिवसीय विचार संगोष्ठी का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

म्योरपुर/सोनभद्र। बनवासी सेवा आश्रम के अतिथि गृह में

सामाजिक कार्यकर्ताओं का मंगलवार को देर शाम तक एक दिवसीय विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें वर्तमान में सामाजिक कार्यकर्ताओं की समाज मे काम करने और खुद की तैयारी को लेकर सर्वोदयी कार्यकर्ता और गांधी विचारक वर्षा किसान आंदोलन के संयोजक अविनाश काकड़े ने कहा कि गांधी हो या विनोबा आप किसी का भक्त मत बनिये अन्यथा अच्छा बुरा भूल जाएंगे। प्रसंसक और भक्त में अंतर है प्रसंसक आलोचक हो सकता है।श्री काकड़े ने कहा कि गांधी को आज दुनिया याद कर रही है क्योंकि उनके बातों और कार्यों में भेद नही था वे 2000 सालो में दुनिया के प्रभावशाली 50 लोगों में एक थे।आज कुछ लोगो की मजबूरी है उंन्हे याद करना। कार्यकर्ताओ का आह्वान किया कि वे खुद से अच्छे कार्यो की शुरुआत करे।दूसरा क्या कर रहा है इसके चक्कर मे मत पड़िये। उन्होंने महिलाओ को सम्मान देने का आह्वान करते हुए कहा कि घर मे खुद भोजन बनाये और परोसे बहन भाई का कपड़ा धोए तो भाई को भी यही करने की आदत डाले। काकड़े ने कहा कि आज हम मानसिक गुलामी में सुख ढूढने के आदि हो जा रहे है यह गुलामी का दोत्तक है। कहा कि अमीरी गरीबी जीवन मे अंतर यही है। जब हम खुद को दूसरे पर आश्रित होते है तो गुलामी की तरफ बढ़ते है। संविधान में आरक्षण इसी वजह से दिया गया। ताकि उंन्हे सम्मान मिल सके। कहा कि स्वराज्य लाने का प्रयास करना है तो खुद को स्वावलम्बी बनना पड़ेगा। मौके पर विमल सिंह शुभा प्रेम, देवनाथ केवला दुबे, उमेश चौबे,रमेश यादव सुशीला ,मीना देवी, शिवनारायण यादव, आदि उपस्थित रहे।

श्रम दान कर ग्रामीणों ने पेश की मिसालःरोहित

होप वेलफेयर ट्रस्ट की सराहनीय पहल बन रही चर्चा का विषय

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। होप वेलफेयर ट्रस्ट के द्वारा घोरावल ब्लॉक के

बालडीह गांव में ग्रामीणों के सहयोग से बहुत ही पुराने समय से गंदगी से भरे तालाब की सफाई कर एक मिसाल पेश की है।ग्रामीणों की यह पहल क्षेत्र के लिए प्रेरणादायक है और चर्चा का विषय भी बना हुआ है।होप वेलफेयर ट्रस्ट के जिला प्रभारी रोहित पाठक ने बताया कि एक दिन वो जागरूकता अभियान चलाने के लिए बालडीह गांव पहुंचे वहाँ उनकी नजर वहाँ के तालाब पर पड़ी जिसमें गंदगी का अम्बार लगा था और पूरे तालाब में घांस–फुस जमा हुआ था।श्री रोहीत ने पूरे गांव के लोगों को समझाया कि आप सभी ग्रामवासियों को मिलकर अपने गाँव को स्वच्छ बनाना होगा। तब गाँव के लोगों ने खुद के श्रमदान से गांव के बीच मे बने तालाब को साफ किया। इस कार्य में एक सौ बीस लोगो ने बहुत मेहनत से पंद्रह दिन कार्य किया। होप वेलफेयर ट्रस्ट के सहयोग से सभी व्यक्तियों को प्रोत्साहन स्वरूप पूरे परिवार के लिए रजाई, गद्दा, साड़ी, स्वेटर, जूता, कपड़ा, कम्बल, दरी दिया दिया जायेगा। वही ग्राम प्रधान प्रतिनिधि कमलेश यादव ने सभी ग्रामीणों की तरफ से होप वेलफेयर ट्रस्ट को धन्यवाद ज्ञापित किया। उक्त अवसर पर, सुरजावती, प्रमिला, धनपति, सुधा, फुलवा, शांति, रेनू, मंगरु, सर्वेश, हीरा, मनोज आदि लोग उपस्थित रहे।

2 दिन के भीतर सभी आंगनवाड़ी कार्यकत्री तथा सहायिका को बूस्टर डोज लगवाना सुनिश्चित करें

बस्ती। जिलाधिकारी श्रीमती सौम्या अग्रवाल ने हेल्थ वर्कर, फ्रंटलाइन वर्कर तथा वरिष्ठ नागरिकों से कोविड–19 की प्रिकॉशन डोज लगवाने की अपील किया है। जूम माध्यम से अधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित किया है कि 2 दिन के भीतर सभी आंगनवाड़ी कार्यकत्री तथा सहायिका को बूस्टर डोज लगवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि 17 जनवरी 2021 से कोविड–19 टीकाकरण शुरू हुआ था। मार्च 2021 तक लगे टीका वाले व्यक्ति 9 माह के बाद बूस्टर डोज के लिए पात्र हो जाते हैं। कोरोना के नये वेरिएंट ओमीक्रोन का संक्रमण बढ़ता हुआ देखकर ऐसे सभी पात्र व्यक्तियों को प्रिकॉशन डोज लगवा लेना चाहिए। उन्होंने बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया है कि बीआरसी के माध्यम से बूस्टर डोज के लिए पात्र व्यक्तियों को टेलीफोन से रिमाइंडर कराएं। बूस्टर डोज लगने के बाद ही उसका विवरण पोर्टल पर अपलोड किया जाए। जिलाधिकारी ने बताया कि कुछ शिकायतें मिली हैं कि बिना टीका लगाए ही पोर्टल पर विवरण दर्ज कर दिया जाता है, जो कि अनुचित है। उन्होंने सभी एमओआईसी को भी निर्देशित किया है कि पहला और दूसरा डोज लगने के बाद ही लाभार्थी का विवरण पोर्टल पर दर्ज किया जाए। उन्होंने कहा कि लगभग 30 लाख लोगों को टीका लग चुका है। इसलिए ड्यूलिस्ट के अनुसार छूटे हुए लोगों को ही

टीका लगाया जाए। उन्होंने निर्देश दिया है कि ग्राम पंचायत सहायक या रोजगार सेवक ही गांव में ड्यूलिस्ट तैयार करेंगे। यह लिस्ट अंतिम होनी चाहिए। ग्राम पंचायत सहायक या रोजगार सेवक सुनिश्चित करें कि 14 प्लस से ऊपर आयु के टीकाकरण से वंचित किसी भी व्यक्ति का नाम न छूटे। ड्यूलिस्ट सही बनने पर ही शतप्रतिशत लोगों का टीकाकरण संभव हो सकेगा। जिस के क्षेत्र में टीकाकरण से वंचित लोग मिलेंगे, उस पंचायत सहायक व रोजगार सेवक के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने सभी बीडीओ को ग्राम पंचायतवार पंचायत सहायक या रोजगार सेवक के लिखित में ड्यूटी लगाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि पिछले एक साल में कुल 3158741 डोज टीका लगाया गया है, जिसमें से 1938804 फर्स्ट डोज तथा 1212813 सेकंड डोज एवं 7124 प्रिकॉशन डोज लगाया गया है। उन्होने ब्लाकवार टीकाकरण की समीक्षा किया तथा निर्देश दिया कि मोबलाइजर कर्मचारी की तैनाती करे, जो ड्यूलिस्ट के अनुसार लोगों को टीकाकरण केन्द्र तक लायेंगा। उन्होने अधिक से अधिक टीकाकरण के लिए गॉव तथा नगर निकाय के वार्डो में निगरानी समिति को सक्रिय करने का निर्देश दिया।

जिलाधिकारी ने सर्वे, कोविड टीकाकरण तथा पोर्टल पर फीड़िग के लिए ब्लाकवार जिला स्तरीय अधिकारी तथा राजस्व अधिकारी के अतिरिक्त प्रत्येक ब्लाक में दो–दो अन्य अधिकारियों की तैनाती किया है। ये अधिकारी ब्लाको में रहकर माइक्रोप्लान के अनुसार ड्यूलिस्ट तैयार कराकर टीकाकरण करायेंगे। पूरे दिन फील्ड में रहकर टीकाकरण की मानीटरिंग करेंगे तथा शाम को 06.00 बजे ब्लाक मे उपस्थित होकर सभी टीमों का समीक्षा करके रिपोर्ट के साथ सायं 07.00 बजे जूम बैठक में भाग लेंगे।

जूम मीटिंग के दौरान सीडीओ डॉ. राजेश कुमार प्रजापति, सीएमओ डॉक्टर चंद्रशेखर, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/एसडीएम अमृत पाल कौर, आनन्द श्रीनेत, गुलाब चन्द्र, जी.के. झा. , बीएसए जगदीश शुक्ला, डॉ. फखरेयार हुसैन, एमओआईसी, बीडीओ, सीडीपीओ, एबीएसए, ईओ नगर पालिका/नगर पंचायत, पूर्ति निरीक्षक, एडीओ पंचायत जुड़े रहे।

जिला न्यायालय के 11 कर्मचारी सहित 69 मिले कोरोना संक्रमित

महराजगंज। कोरोना मरीजों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। सोमवार को जिला न्यायालय के 11 कर्मचारी सहित 69 कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। इस प्रकार जिले में सक्रिय रोगियों की संख्या 283 हो गई है। लगातार कोरोना संक्रमितों के मिलने से प्रशासन की भी चिंता बढ़ गई है। इसी के साथ प्रशासन ने सात कंटेनमेंट जोन घोषित किया है। जबकि जिला न्यायालय को सैनिटाइज कराते हुए . शाम पांच बजे तक बंद कर दिया गया है। जिले में कुल कोरोना संक्रमितों की संख्या अब 12838 हो गई है। इसमें 12414 ने कोरोना से जंग जीत ली है। 141 की अब तक मृत्यु हो चुकी है। नोडल अधिकारी डा. आइए अंसारी ने बताया कि संक्रमितों की स्वास्थ्य टीम निगरानी कर रही है। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट साईं तेजा सीलम ने बताया कि लखिमा, सोहनपुर उर्फ सोनकटिया, बनकटिया, अमसहा, हमीद नगर वार्ड नं– 16, पनियरा नगर पंचायत पनियरा तथा चौनपुर चौक को कंटेनमेंट जोन घोषित किया गया है। संबंधित संक्रमित व्यक्तियों के निवास के 25 मीटर परिक्षेत्र में किसी के आवाजाही पर रोक है। आदेश का अनुपालन न करने वाले व्यक्ति के प्रति कोविड 19 महामारी के दृष्टिगत विभिन्न नियमों व महामारी की धाराओं के तहत कार्रवाई की जाएगी। जिला न्यायाधीश जय प्रकाश तिवारी ने बताया कि जिला न्यायालय को सैनिटाइज कराते हुए . शाम पांच बजे तक बंद कर दिया गया है। 20 जनवरी को पुनरू सामान्य रूप से खुलेगा।

विधानसभा 2022 का चुनाव की बजी रणभेरी, आमने–सामने कई दिग्गज

सिधौली,सीतापुर। उत्तर प्रदेश में विधानसभा 2022 का चुनाव की रणभेरी बज चुकी है। चुनाव आयोग द्वारा 7 चरणों में मतदान कराए जाने की की घोषणा हो चुकी है। एक और जहां उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार दोबारा सरकार बनाने के लिए प्रयासरत हैं। वहीं समाजवादी पार्टी बसपा व कांग्रेश दल भी प्रदेश में जोर शोर से सरकार बनाने का दावा कर रहे हैं लेकिन सिधौली विधानसभा सीट 152 पर राम लहर और मोदी लहर में भी हार मुंह देख चुकी भारतीय जनता पार्टी का प्रत्याशी क्या इस बार योगी कि विकास व धर्म लहर पर चलकर इस बार अपनी जीत दर्ज करेगा। आपको बता दें सिधौली विधानसभा सीट सपा बसपा के प्रत्याशियों के खाते में आती रही है। वर्तमान में बहुजन समाज पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़े विधायक हरगविंद भार्गव जो अब बीते माह समाजवादी पार्टी की सदस्यता ले चुके हैं और समाजवादी पार्टी से टिकट का दावा कर रहे हैं। वही वर्ष 2012 में समाजवादी पार्टी से विजई हुए पूर्व सपा विधायक मनीष रावत जो वर्ष 2017 में डॉक्टर गोविंद भार्गव से पराजित हुए थे। वह भी सपा से ही टिकट के दावेदार हैं। दो दावेदारों के होने से समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं वह आम वोटर में भी असमंजस की स्थिति बनी हुई है। वहीं बहुजन समाज पार्टी अपने कैडर वोट को लेकर अस्वस्थ है। हालांकि सिधौली विधानसभा 152 सीट पर चौथे चरण में 23 फरवरी को चुनाव होना है। जिससे अभी तक सिधौली विधानसभा में किसी भी पार्टी द्वारा कोई प्रत्याशी घोषित नहीं किया गया है। भारतीय जनता पार्टी टिकट के दावेदारों एक लंबी लिस्ट है। लगभग डेढ़ दर्जन से अधिक दावेदार भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर विधायक बनना चाहते हैं। लेकिन भारतीय जनता पार्टी के आलाकमान किसे मैदान में उतारते है यह तो आने वाला समय ही बताएगा। वर्ष 2017 में भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़े वर्तमान के ब्लॉक प्रमुख राम बक्श रावत तीसरे नंबर पर रहे थे। हालांकि इससे पूर्व के चुनावों से मतदान प्रतिशत जबरदस्त बढ़ोत्तरी हुई थी और पिछले वर्षो मिले मतों से उनकी मात्रा सबसे अधिक थी। वहीं केंद्रीय मंत्री क्षेत्रीय सांसद कौशल किशोर के पुत्र प्रभात किशोर जैकी की भी सिधौली विधानसभा से चुनाव लडने के लिए लाइन में खड़े हुए हैं। यदि प्रभात किशोर जैकी को पार्टी टिकट देती है तो उनके पिता केंद्रीय मंत्री व मोहनलालगंज के सांसद कौशल किशोर द्वारा सिधौली विधानसभा में करवाए गए विकाश कार्यों का आंकलन जनता द्वारा जरूर किया जाएगा। वहीं जैकी की माता मलिहाबाद सीट से भाजपा विधायक है। जिससे परिवारवाद के नाम पर भी उंगलियां उठ सकती है और कई दावेदार पार्टी से किनारा कर सकते हैं। इसके सुमनलता भार्गव, नरेंद्र गौतम, पूरणमल गौतम, सुमनलता भार्गव, अवनीश रावत, राम प्रकाश, रमेश चंद गौतम, रामकिशोर गौतम, कामता गौतम, अजय गौतम, सुरेश राही, राहुल बाल्मीकि, सावित्री देवी सहित लगभग 20 लोगों ने सिधौली विधानसभा सीट के लिए आवेदन किया है लेकिन समाजवादी पार्टी का गढ़ कहे जाने वाली सीट पर अयोध्या में बाबरी मस्जिद विध्वंस के समय आई राम लहर व वर्ष 2017 में मोदी लहर में भी हार का मुंह देख चुके भाजपा प्रत्याशी इस बार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विकास व धर्म फार्मूले पर कितना सफल होंगे। यह तो आने वाला समय ही बताएगा लेकिन समाजवादी पार्टी और भाजपा की आमने सामने की लड़ाई इस बार देखी जा सकती है। आम जनता की माने तो सिधौली विधानसभा में बीते 5 वर्षों में विकास के नाम पर कुछ नहीं दिखा बीते दिनों सिधौली में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आयोजित जनसभा में कहा था। यदि भाजपा का विधायक यहां पर होता तो वह 200 करोड़ नहीं 500 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास कर रहे होते यह बात आम जनता पर कितना असर डालती है। चुनाव किस करवट बैठेगा यह तो भविष्य के गर्त में है लोगों का मानना है कि समाजवादी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के आलाकमान मुखिया को टिकट वितरण में बड़ी ही सूझबूझ का कामलेना होगा। क्यों की इन्हीं दोनों दलों में कांटे की टक्कर हो सकती है।

अवैध मद्य निष्कर्षण के तहत संयुक्त टीमों ने छापेमारी के दौरान पकड़ी लगभग 1726 लीटर शराब

टीम ने 78 अवैध शराब की भट्ठियों के साथ नष्ट किया गया 9744 किलोग्राम लहन

सीतापुर। जिला आबकारी अधिकारी सुनील कुमार दुबे ने बताया कि विधानसभा सामान्य निर्वाचन.2022 के दृष्टिगत अपर मुख्य सचिव शासन एवं आबकारी आयुक्त प्रयागराज के निर्देशानुक्रम में जिलाधिकारी तथा पुलिस उप महानिरीक्षक, पुलिस अधीक्षक के आदेशानुपालन में सुनील कुमार दुबे, जिला आबकारी अधिकारी के नेतृत्व में जनपद सीतापुर में अवैध मद्यनिष्कर्षण एवं अवैध मदिरा के कारोबार पर सख्ती से रोक लगाये जाने हेतु प्रशासन, पुलिस एवं आबकारी विभाग की गठित संयुक्त टीमों द्वारा लगातार चलाये जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के अन्तर्गत औचक रूप से आबकारी दुकानों की चेकिंग, राजमार्गों पर संदिग्ध वाहनों एवं एल्कोहल व एथनाल तथा मिथाइल के टैंकरों की औचक जांच एवं संदिग्ध ढाबों की भी सघन चेकिंग की जा रही है। इस प्रकार विधानसभा सामान्य निर्वाचन.2022 के दृष्टिगत चलाए जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के अंतर्गत 16 जनवरी तक अवैध मदिरा निर्माण एवं बिक्री के विरुद्ध कार्यवाही करते हुये अवैध मद्य निष्कर्षण की प्राप्त सूचना के आधार पर संयुक्त टीमों द्वारा औचक छापेमार कार्यवाही की। इस दौरान लगभग 1726 लीटर अवैध कच्ची शराब जब्त कर 78 अवैध शराब की भट्ठियों तथा लगभग 9744 कि0ग्राम लहन को मौके पर ही नष्ट कर 49 अभियुक्तों को गिरफ्तार करते हुये आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत करते हुये नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की गयी। दौराने कार्यवाही ग्रामवासियों को अवैध कच्ची शराब के निर्माण एवं उसकी बिक्री से जनित हानियों के सम्बन्ध में जागरूक किया जा रहा है। साथ ही ग्रामीणों को अवैध मदिरा के किसी भी प्रकार के कारोबार इत्यादि के सम्बन्ध में कोई सूचना प्राप्त होने पर प्रशासन व पुलिस विभाग के अधिकारियों सहित आबकारी विभाग के क्षेत्रीय आबकारी निरीक्षकों के साथ.साथ अधोहस्ताक्षरी को भी तत्काल सूचना दिये जाने हेतु परामर्श भी दिया जा रहा है। इस हेतु आबकारी विभाग के प्रदेश स्तरीय टोल फ्री नम्बर.14405 एवं मुख्यालय स्तर पर स्थित शिकायत प्राप्त किये जाने हेतु प्रचलित व्हाटसएप नम्बर.9454466019 पर आबकारी विभाग से सम्बन्धित यदि कोई शिकायत हो तो उस पर तत्काल सूचित किये जाने हेतु भी बारम्बार अपील की जा रही है। जिससे प्राप्त सूचना के अनुसार त्वरित प्रवर्तन कार्यवाही कराते हये अवैध मदिरा का निर्माण एवं उसकी बिक्री पर प्रभावी रूप से रोक लगायी जा सके तथा अवैध मदिरा के निष्कर्षण निर्माण एवं कारोबार करने वालों के विरूद्व नियमानुसार कड़ी कार्यवाही की जा सके। उल्लेखनीय है कि मदिरा के किसी भी प्रकार के अवैध क्रय.विक्रय पाये जाने पर नियमानुसार कठोरतम कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। इस प्रकार विधानसभा सामान्य निर्वाचन.2022 के परिप्रेक्ष्य में शासन व प्रशासन की मंशानुरूप संयुक्त टीमों द्वारा सघन छापेमारी की यह कार्यवाही 31 मार्च तक आगे भी इसी प्रकार निरन्तर जारी रहेगी।

समाजवादी अल्पसंख्यक सभा की राज्य कार्यकारिणी में प्रदेश सदस्य बने मो. नसीम गाजी

सीतापुर। उत्तर प्रदेश में होने वाले 2022 के विधानसभा चुनाव को लेकर सभी सियासी दलों की ओर से खूब जोर आजमाइश की जा रही है। अखिलेश यादव लगातार सपा का संगठन मजबूत करके जमीनी कार्यकर्ताओं में नई जान फूं कने में लगे हैं। जिससे समाजवादी पार्टी एक बार फिर उत्तर प्रदेश में सरकार बना सके। इसी क्रम में समाजवादी पार्टी ने अल्पसंख्यकों के बीच अपनी पैठ और ज्यादा मजबूत करने के लिए अल्पसंख्यक सभा में नए नेताओं को शामिल कर रही है। समाजवादी अल्पसंख्यक सभा के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व राज्य मंत्री मो. शकील नदवी ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की अनुमति से एवं प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल की संस्तुति से मो. नसीम अली गाजी पुत्र जहुर अली निवासी मिश्राखेड़ा जनपद सीतापुर को समाजवादी पार्टी अल्पसंख्यक सभा की राज्य कार्यकारिणी में प्रदेश सदस्य नामित किया।

मो. शकील नदवी ने कहा कि आशा है कि आप समाजवादी पार्टी की नीतियों को जन.जन तक पहुंचाते हुये संगठन को और अधिक बल और गतिशीलता प्रदान करेंगे। समाजवादी अल्पसंख्यक सभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में राष्ट्रीय सचिव इशराक गाजी ने नसीम गाजी की नियुक्ति पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि नसीम गाजी की नियुक्ति से जनपद में पार्टी का जनाधार बढ़ेगा। नसीम गाजी पिछले काफी समय से समाजवादी पार्टी की विचारधारा को घर.घर तक पहुंचाने का काम कर रहे हैं। नसीम गाजी ने कहा कि वह समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और समाजवादी अल्पसंख्यक सभा के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व राज्य मंत्री मो. शकील नदवी के शुक्रगुजार हैं जिन्होंने यह जिम्मेदारी सौंपी। वह पूरी मेहनत और ईमानदारी से पार्टी हित में काम करेंगे। इधर उन्हें समाजवादी अल्पसंख्यक सभा की राज्य कार्यकारिणी में प्रदेश सदस्य नामित किए जाने पर क्षेत्रवासियों सहित जनपद वासियों का लगातार बधाई देने का सिलसिला जारी है।

जनपद के विभिन्न विद्यालयों में टीकाकरण कैंप लगाए जा रहे हैं: डॉ प्रशान्त रंजन

हरदोई।जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ प्रशांत रंजन ने बताया है कि जनपद में सभी लोगों को कोरोना महामारी से बचाने के लिए टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। इस क्रम में कल 19 जनवरी 2022 को 15 से 18 वर्ष आयुवर्ग के किशोरों के टीकाकरण को दृष्टिगत रखते हुए जनपद के विभिन्न विद्यालयों में टीकाकरण कैंप लगाए जा रहे हैं। अहिरोरी ब्लॉक के अंतर्गत एमएमएबी इण्टर कालेज बघौली, ब्रज किशोर निर्मला देवी इण्टर कालेज बशन बरौली, बावन ब्लॉक के अंतर्गत श्रद्वाएसएस बाजपुर नकटौरा, बेंहदर ब्लॉक के अंतर्गत बाबा सुमेरानन्द इण्टर कालेज कासिमपुर, सीएसआईसी हसनपुर, भरावन ब्लॉक के अंतर्गत जेपी लोधी गर्ल्स इण्टर कालेज अतरौलीहार महिठा, भरखनी ब्लॉक के अंतर्गत गर्वनमेंट जीआईसी पाली, एसवीएम इण्टर कालेज पाली, एसवीएम इण्टर कालेज पाली, डॉ एसके पाल मेमोरियल इण्टर कालेज मान नगला, बिलग्राम ब्लाक के अन्तर्गत आरबी यादव आईसी चॉदपुर बिलग्राम, ज्ञान गंगा इण्टर कालेज चौधरियापुर, एसएसडीपीएन आईसी अल्लीगढ बिलग्राम, हरदोई शहर के अन्तर्गत रफी अहमद किदवई इण्टर कालेज हरदोई, लाल बहादुर शास्त्री इण्टर कालेज हरदोई, हरियावां ब्लाक के अन्तर्गत एसएसएस इण्टर कालेज मझिया, हरपालपुर ब्लाक के अन्तर्गत जनता इण्टर कालेज नगला भूपतिपुर, डॉ आरएम लोहिया इण्टर कालेज वंदनापुर, सन्त रामेश्वरम पब्लिक इण्टर कालेज बन्जारा हिल, एनपीएचएसएस हरपालपुर, कछौना ब्लाक के अन्तर्गत श्री बीएसडीएस इण्टर कालेज बर्रा घुमान, कोथावां ब्लाक के अन्तर्गत एचएच इण्टर कालेज हत्याहरण, माधौगंज ब्लाक के अन्तर्गत एमडीएन पटेल एचएसएसए अली मर्दानपुर, एफएमएसवीएम इण्टर कालेज माधौगंज, मल्लावा ब्लॉक के अंतर्गत एसआरसीए आईसी मल्लावां, पटेल एस आईसी मल्लावां, एसवीवी आईसी खेरवा पुरबावां, श्री गिरवर प्रसाद इण्टर कालेज रामपुर राघवपुर, पिहानी ब्लॉक के हामिद अली इण्टर कालेज पिहानी, संजय जीएमआईसी अब्दुल्ला नगर, एसजेएएम आईसी पिहानी, सांडी ब्लॉक के अंतर्गत गर्वनमेंट गर्ल्स एचएस स्कूल रौरा साण्डी, जनता इण्टर कालेज पुरसौली, वीएनएसएसएचएसएस नेवादा प्राउंची, संडीला ब्लाक के अन्तर्गत पंचशील विकास एचएसएस महनगांव, शाहाबाद ब्लॉक के अंतर्गत श्री कृष्ण इण्टर कालेज बैजूपुर, राधेश्याम एमओआईसी जगपुरा शाहाबाद, गीता विद्या मन्दिर इण्टर कालेज शाहाबाद, चन्द्रभाल बाजपेयी इण्टर कालेज अन्ता बिहिगांव शाहाबाद, सुरसा ब्लॉक के अंतर्गत एमवाईजीजीएन गर्ल्स इण्टर कालेज नयागांव मुबारकपुर, श्री त्रिलोक चन्द्र इण्टर कालेज नियर कसरावां, टडियावा ब्लॉक के अंतर्गत आरडी इण्टर कालेज घमोइयां रावल गोपामऊ, गर्वनमेंट इण्टर कालेज टड़ियावां, तथा टोडरपुर ब्लाक के अन्तर्गत गर्वन्मेन्ट गर्ल्स इन्टर कालेज टोडरपुर में टीकाकरण कैंप लगाया जाएगा सभी टीकाकरण हेतु पात्र लोग उक्त दिवस को टीकाकरण कैंप में आने का कष्ट करें ताकि जनपद हरदोई को कोरोना से पूरी तरह से मुक्त किया जा सके।

प्रशासन ने पानी की टंकी की सीढियों पर तार लगाकर कराया बंद

सिधौली,सीतापुर। तहसील प्रशासन ने तहसील परिसर में स्थित पानी की टंकी की सीढियों को तार लगाकर पूरी तरह से बन्द करवा दिया। जिसका कारण बीते कुछ महीनों में अपनी मांगों को लेकर पीडितों द्वारा पानी की टंकी पर चढ़कर प्रदर्शन करना बताया जा रहा है। आपको बता दें की सिधौली तहसील परिसर के ग्राम न्यायालय परिसर में बनी पानी की टंकी बीते महीनों काफी चर्चा में रही। जिस पर किसान संगठन अन्य पीडितों द्वारा प्रदर्शन किया गया था। अपनी मांगों को मनवाने को लेकर लोगों ने इसे प्रदर्शन का जरिया बना लिया था। बीते महीनों में लगभग 5 बार इस टंकी पर चढ़कर लोगों ने प्रदर्शन किया और आत्महत्या करने तक की धमकी भी दी। जिससे स्थानीय प्रशासन से लेकर तहसील प्रशासन तक हलकान रहा था प्रशासन द्वारा पानी की टंकी को कटीले तारों से बंद करवा दिया गया। जिससे कोई भी प्रदर्शनकारी व पीडित पानी की टंकी पर चढ़कर प्रदर्शन न कर सके और अपनी जायज और नाजायज मांगों को लेकर प्रशासन पर दबाव न बना सके।

ठेकेदार की शिथिलता के चलते अधर में लटका वृहद गौशाला

हरदोई। वर्तमान समय में छुट्टा गौवंश किसानों व राहगीरों के लिए ज्वलंत समस्या है। सरकार के लाख प्रयास के बावजूद छुट्टा गौवंशों की समस्या का निराकरण नहीं हो पा रहा है। जबकि शासन से छुट्टा गौवंशों के संरक्षण व संवर्धन के लिए सतत प्रयासरत है। किसान व बेजुबान पशु दोनों परेशान हैं। छुट्टा गौवंशों से किसान फसल बचाने के लिए रात रात भर रतजगा करने को विवश है। ग्रामीणों की पुरजोर मांग पर क्षेत्रीय विधायक रामपाल वर्मा ने वृहद गौशाला स्वीकृत कराने हेतु शासन को पत्र लिखा। शासन ने प्राथमिकता से विकासखंड कछौना की ग्राम सभा बालामऊ में वृहद गौशाला के निर्माण कार्य हेतु करोड़ों रुपए के बजट की धनराशि स्वीकृत कर दी। जिसका निर्माण भूमि चिन्हीकरण के बाद कार्य आरंभ हो गया है। कार्यदाई संस्था द्वारा पिलर बनाए जा चुके हैं। ठेकेदार की उदासीनता के चलते कार्य अधर में लटका हुआ है। जिससे क्षेत्रीय किसानों को वृहद गौशाला का लाभ मिलने में असुविधा हो रही है। इस गौशाला में बेहतर सुविधाएं होंगी, गाय के गोबर, मूत्र, दूध का सही उपयोग लाया जाएगा। जिससे गाय मात्र आस्था का विषय नहीं अपितु अर्थव्यवस्था और पर्यावरण संरक्षण में अहम भूमिका निभाएगी। गाय के दूध से पोस्टिक उत्पाद तैयार किए जाएंगे, वही गाय के गोबर का सही इस्तेमाल करते हुए जैविक खाद,गोबर गैस व अगरबत्ती निर्माण में उपयोग होगी। इस वृहद गौशाला से क्षेत्रीय किसानों को छुट्टा गौवंशों से निजात मिलेगी।

अमेरिका में बैठे इंजीनियर ने सीसीटीवी अलर्ट से रोकी कानपुर में डकैती: पुलिस एनकाउंटर में एक घायल,चार की तलाश जारी

लाइव कॉल में बदमाशों को हिदायत दी– भाग जाओ

कानपुर। शहर के चकेरी थाना क्षेत्र के अंतर्गत श्याम नगर में सोमवार देर रात सॉफ्टवेयर इंजीनियर के बंद मकान में डकैतों ने धावा बोल दिया। अमेरिका में बैठे इंजीनियर ने सीसीटीवी कैमरों के जरिए लुटेरों को देखा और पड़ोसियों और पुलिस को खबर दी। पुलिस के पहुंचने पर डकैती की वारदात होते–होते रुक गई। श्याम नगर डी ब्लॉक निवासी सॉफ्टवेयर इंजीनियर विजय अवस्थी और आशुतोष अवस्थी एचसीएल कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं। पिता स्व.हरिओम के निधन के बाद दोनों भाई अमेरिका के न्यू जर्सी में रहते हैं। इंजीनियर भाइयों ने अमेरिका से घर की निगरानी करने के लिए हाईटेक सीसीटीवी लगवा रखे हैं। सोमवार देर रात चार से 6 बदमाश घर में दाखिल हुए। विजय ने कैमरे से डकैतों को घर में घुसते और ताला तोड़ते देखा तो माइक से हिदायत दी कि तुम लोग सीसीटीवी में कैद हो गए हो। भाग जाओ नहीं तो पुलिस बुला देंगे। इसके बाद भी डकैत नहीं माने और सीसीटीवी तोड़ डाले और मकान के भीतर घुस गए। विजय ने इसकी सूचना पड़ोसी और चकेरी थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही चकेरी पुलिस मौके पर पहुंची और घेराबंदी करके डकैतों को पकड़ने का प्रयास किया तो ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने करीब डेढ़ घंटे बाद मुठभेड़ में गोली मारकर एक बदमाश को दबोच लिया। अन्य छत के रास्ते से भाग निकले। देर रात 12 से 3 बजे तक मुठभेड़ चली तब जाकर पुलिस भीतर घुस सकी। पुलिस सरेंडर करने को अनाउंस करती रही,डकैत भाग निकलेः घटना की जानकारी पर पुलिस कमिश्नर विजय सिंह मीणा,डीसीपी पूर्वी प्रमोद कुमार समेत आधा दर्जन थानों की फोर्स पहुंचा। मकान की हर तरफ से घेराबंदी की। छत से भागने की कोशिश कर रहे बदमाश को पुलिस ने गोली मारकर दबोच लिया। इसके बाद करीब देर रात तीन बजे तक पुलिस बदमाशों से सरेंडर करने की अपील करती रही। कड़ी मशक्कत के तीन घंटे बाद मकान के भीतर घुसी तो सन्नाटा मिला। तब पता चला कि बदमाश छत से भाग निकले है। ताबड़तोड़ गोलियों की आवाज और नाकेबंदी से इलाके में दहशतः मामले की जानकारी मिलते ही चकेरी थाना समेत करीब 8 थानों का फोर्स और पुलिस कमिश्नर विजय सिंह मीणा के साथ डीसीपी ईस्ट,एसीपी समेत अन्य अफसर पहुंचे। ताबड़तोड़ गोलियों की आवाज और पूरे इलाके में नाकेबंदी से इलाके के लोग दहशत में आ गए। देर रात 3 बजे ऑपरेशन खत्म हुआ तो लोगों के जान में जान आई।

जिलाधिकारी ने नामांकन बूथों का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखीं

सीतापुर। विधानसभा सामान्य निर्वाचन.2022 के अन्तर्गत जनपद में चतुर्थ चरण में मतदान होना है। जिसके लिये नामांकन प्रक्रिया 27 जनवरी 2022 से प्रारम्भ की जायेगी। जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज व पुलिस अधीक्षक आरपी सिंह ने .. पुराना सीतापुर में बनाये गये एक केन्द्र में 05 से अधिक नामांकन बूथों का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखीं। उन्होंने मुस्लिम जूनियर हाईस्कूल, जफर मेमोरियल मुस्लिम गर्ल्स इण्टर कालेज व आर0के0 एशियन पब्लिक स्कूल का निरीक्षण कर चल रही तैयारियों के विषय में जानकारी ली एवं समस्त तैयारियां समय से पूर्ण किये जाने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिये। उन्होंने कहा कि सभी केन्द्रों पर शौचालय की समुचित व्यवस्था की जायें। जिलाधिकारी ने आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने कहा कि कोविड प्रोटोकाल के दृष्टिगत आवश्यक प्रबन्ध सुनिश्चित किये जायें। दिव्यांगजनों हेतु रैम्प का प्रबन्ध भी सुनिश्चित किये जाने के निर्देश जिलाधिकारी ने दिये। पुलिस अधीक्षक आर0पी0 सिंह ने संबंधित क्षेत्राधिकारी को निर्देश दिये अपने बूथों का निरीक्षण कर लें तथा सुरक्षा से संबंधित तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जाये। जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि नामांकन प्रक्रिया में कोविड प्रोटोकाल का पूर्णतया अनुपालन सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने कहा कि सोशल डिस्टेंसिंग हेतु गोले बनाये जाये तथा बेरीकेटिंग का प्रबन्ध भी सुनिश्चित किया जाये। प्रवेश व निकास मार्गों की अलग.अलग व्यवस्था की जाये। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जनपद में 22 जनवरी तक किसी रोड शो,पद यात्रा,साइकिल/बाईक/वाहन रैली एवं जुलूस की अनुमति नही होगी:-जिलाधिकारी

हरदोई।जिलाधिकारीधजिला निर्वाचन अधिकारी अविनाश कुमार ने बताया है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा वर्तमान स्थिति, तथ्यों एवं घटनाओं को ध्यान में रखकर भौतिक रैली एवं रोड शो के सम्बन्ध में दिशा निर्देश दिये गये है इसके क्रम में जनपद में 22 जनवरी 2022 तक किसी रोड शो, पद यात्रा, साइकिलध्बाईकध्वाहन रैली एवं जुलूस की अनुमति नही होगी। तत्पश्चात आयोग स्थिति की समीक्षा करेगा और तद्नुसार अनुवर्ती दिशा निर्देश देगा। 22 जनवरी 2022 तक राजनीतिक पार्टियों या उम्मीदवारों (संभावित समेत) या चुनाव से जुड़े किसी अन्य समूह की किसी भौतिक रैली को अनुमति नही होगी। यद्यपि आयोग द्वारा अधिकतम 300 व्यक्तियों या हॉल की 50 प्रतिशत क्षमता या एसडीएमए द्वारा निर्धारित उल्लिखित सीमा तक आयोग द्वारा राजनीतिक दलों को छूट दी गयी है। राजनीतिक दल चुनाव से जुड़ी गतिविधियों के दौरान प्रत्येक अवसर पर कोविड अनुकूल व्यवहार व दिशा निर्देशों और आदर्श आचार संहिता का अनुपालन सुनिश्चित करेंगे। 08 जनवरी 2022 को जारी विस्तृत दिशा निर्देशों के अनुसार शेष पाबन्दियां यथावत् रहेगीं। जिलाधिकारी द्वारा समस्त रिटर्निंग आफीसरों को निर्देश दिये गये है कि जनपद हरदोई के अन्तर्गत भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिये गये दिशा निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराया जाये।

एक्सीडेंट को लेकर मजिस्ट्रीयल जांच शुरू ,उप जिलाधिकारी सदर करेंगे जांच

हरदोई।ज्वाइंट मजिस्ट्रेटध्उप जिलाधिकारी सदर हरदोई ने बताया है कि 05 दिसम्बर 2021 को सीतापुर–हरदोई मार्ग पर हरदोई डिपो की बस संख्या–यूपी–30टी 2070 से समय लगभग 6:45 बजे थाना बेनीगंज जनपद हरदोई के अन्तर्गत नया गांव से आगे बढ़ेयनपुरवा तिराहे के पास एक साईकिल सवार के स्वयं की तेजी व लापरवाही के कारण अचानक निगम बस से टकराने के फलस्वरूप दुर्घटना घटित हो गयी। घटना स्थल पर मौजूद प्रत्यक्ष दर्शियों के आधार पर प्रथम दृष्टतया यह स्पष्ट होता है कि उक्त दुर्घटना स्वयं साईकिल सवार के उतावलेपन व लापरवाही पूर्वक संचालन करते हुए अचानक निगम बस से टकराने के कारण घटित हुई और साईकिल सवार व्यक्ति गम्भीर रूप से घायल हो गया। उक्त दुर्घटना में किसी भी बस यात्री को किसी प्रकार की चोट नहीं आयी, और न ही किसी को आर्थिक सहायता दी गयी। उपरोक्त घटित दुर्घटना मोटर कराधान अधिनियम के अन्तर्गत दुर्घटना की मजिस्ट्रीयल जांच हेतु जिला मजिस्ट्रेट, हरदोई द्वारा ज्वाइंट मजिस्ट्रेटध्उप जिलाधिकारी सदर को नामित किया गया है।

इस सम्बन्ध में यदि कोई भी व्यक्ति कोई साक्ष्यध्बयान अथवा अन्य साक्ष्य देना चाहता है, तो वह 27 जनवरी 2022 तक किसी भी कार्य दिवस में ज्वाइंट मजिस्ट्रेटध्उप जिलाधिकारी सदर के न्यायालयध्कार्यालय में उपस्थित होकर दर्ज कराये।

हिन्दी दैनिक
बुद्ध का संदेश
समाचार पत्र
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योतिनगर, मधुकरपुर, निकट हीरो हौंडा एजेन्सी, सिद्धार्थनगर, 272207 उ.प्र. से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.- UPHIN/2012/49458
संस्थापकः- स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादकः- राजेश कुमार शर्मा
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एंव सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इन से उत्पन समस्त विवाद जनपद सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।
8795951917, 9453824459
ई-न्यूज पेपरः- www.budhakasandesh.com
E-Mail ID:. budhakasandeshnews@gmail.com

सर्दियों में चेहरे की चमक बढ़ाने के लिए संतरा का करें इस्तेमाल

संतरे को चेहरे के लिए बहुत बेहतरीन माना जाता है। जी दरअसल इसमें मौजूद विटामिन–सी और एंटीऑक्सीडेंट न सिर्फ सेहत बल्कि खूबसूरती को बरकरार रखने में भी काफी फायदेमंद है। जी हाँ और इसके छिलकों में पोटैशियम, मैग्नीशियम और कैल्शियम जैसे तत्व मौजूद होते हैं, जिससे आप कई तरह की स्किन प्रॉब्लम्स से छुटकारा पा सकते हैं। अब आज हम आपको आपको बताते हैं कि ये स्किन के लिए क्यों फायदेमंद है।

आयली स्किन– जी दरअसल तैलीय त्वचा को दूर करने का सबसे अच्छा तरीका है संतरा। ऐसा इसलिए क्योंकि इसका एस्ट्रेंज तत्व त्वचा से अतिरिक्त तेल को आसानी से सोख लेता है। जी हाँ और इसके लिए दूधध्दही या गुलाब जल में 1 बड़ा चम्मच संतरे के छिलके का पाउडर मिलाएं और अब चेहरे पर 10–15 मिनट लगाएं और फिर गुनगुने पानी से धो लें। ऐसा हफ्ते में 2 बार करें।

बेजान स्किन– सनबर्न, प्रदूषण और बढ़ती उम्र कई कारणों से त्वचा अपनी चमक खोने लगती है।

ऐसे में 1 चम्मच संतरे के छिलके से पाउडर बनाएं और इसमें 2 चम्मच शहद मिलाकर चेहरे व गर्दन पर 10–15 मिनट लगाएं। अब सूखने के बाद ठंडे पानी से धो लें।

ये ग्लोइंग और हाइड्रेटेड त्वचा के लिए फेस पैक हैं। इससे स्किन ड्राई भी नहीं होगी। चेहरे पर दाने– इसके लिए 1 चम्मच संतरे के छिलके के पाउडर का पेस्ट बनाएं। इसमें 1 चम्मच नीम पाउडर और गुलाब जल मिलाएं। अब इसे चेहरे पर 15 मिनट लगाएं और सूखने के बाद ताजे पानी से धो लें।

टैनिंग की समस्या– टैनिंग हटाने के लिए 1 बड़े चम्मच संतरे के पाउडर में 2 बड़े चम्मच दही या टमाटर का रस मिलाएं। इसे पूरे चेहरे, गर्दन और हाथों पर लगाएं। 10–12 मिनट बाद ठंडे पानी से धो लें। हफ्ते में 2–3 बार इसका इस्तेमाल करें।

दाग के लिए– इसके लिए 1 टेबल स्पून संतरे के छिलके का पाउडर लें। उसमें नींबू का रस मिलाकर चेहरे पर अच्छी तरह लगाएं। 10 मिनट के लिए ठंडे पानी से धो लें। इसे हफ्ते में 2 बार इस्तेमाल करें।

तारक मेहता की रीटा रिपोर्टर ने स्टाइलिश ड्रेस में ढाया कहर

टीवी शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा पिछले कई सालों से अपने दर्शकों का मनोरंजन करना है. इस शो के हर कलाकारों का फैंस के साथ जुड़ाव है. अगर आप इस शो के फैन हैं तो आपको रीटा रिपोर्टर याद होगी जिसका किरदार प्रिया आहूजा निभाती हैं.

इन दिनों वह सोशल मीडिया पर आग लगा रही हैं. उनकी कुछ तस्वीरें सामने आईं है जिसे देखकर दिल थामना मुश्किल होगा. प्रिया आहूजा ने अपनी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं जिसमें उनकी नखरीली अदांए देखकर आप मदहोश हो जाएंगे. तस्वीरों में उन्होंने स्टाइलिश ग्रीन कलर की वन पीस ड्रेस पहनी हैं जिसमें वह बेहद खूबसूरत लग रही हैं. प्रिया ने अपने बालों को हल्का कर्ल कराया है और इसके साथ बड़े ईयररिंग्स पहने हैं जो उनके लुक को कम्प्लीट कर रहा है. कैमरे के सामने प्रिया आहूजा ने अलग–अलग पोज में फोटोज क्लिक करवाई हैं जिसमें उनके अंदाज को देखते ही बन रहा है. प्रिया आहूजा रियल लाइफ में बहुत ग्लैमरस हैं और फैंस को उनका हॉट लुक बहुत पसंद आता है. उनकी हर फोटो को खूब लाइक और शेयर किया जाता है.

कैथी के हिंदी रीमेक भोला में हुई तब्बू की एंट्री

अजय देवगन पिछले कुछ समय से तमिल फिल्म कैथी के हिंदी रीमेक को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म का नाम भोला रखा गया है और इसकी शूटिंग शुरू हो गई है। काफी समय से इसके लिए लीड एक्ट्रेस की तलाश चल रही थी, जो अब तब्बू पर जाकर खत्म हुई है। दोनों पहले भी साथ काम कर चुके हैं और अब एक बार फिर अजय और तब्बू को साथ देखना बेहद दिलचस्प होगा।

भोला में अजय लीड रोल में हैं। दर्शक काफी समय से यह जानने को बेताब थे कि इस फिल्म की लीड हीरोइन कौन होगी? अब इसका खुलासा भी हो गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म में अजय के अपोजिट तब्बू होंगी। फिल्म से जुड़े एक करीबी सूत्र ने बताया कि तब्बू को भोला के लिए फाइनल कर लिया गया है। अजय और तब्बू की जोड़ी बेहतरीन मानी जाती रही है और दोनों फिर साथ काम करने को बेहद उत्साहित हैं।

अजय ने 11 जनवरी को भोला का मुहूर्त किया था। उसके बाद उन्होंने फिल्म की शूटिंग की। इस फिल्म का निर्देशन धर्मेंद्र शर्मा कर रहे हैं, जो अजय के चचेरे भाई हैं। भोला की कहानी ऑरिजनल फिल्म से हटकर होगी। स्क्रिप्ट में बदलाव किया गया है। फिल्म का पहला शेड्यूल मुंबई में शूट किया जाएगा। कोरोना वायरस के खतरे को देखते हुए फिल्म की यूनिट छोटी होगी। अजय फिल्म की कहानी और प्री–प्रोडक्शन पर भी ध्यान दे रहे हैं।

तमिल फिल्म कैथी 25 अक्टूबर, 2019 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस एक्शन थ्रिलर फिल्म का निर्देशन लोकेश कनगराज ने किया था। वह इस फिल्म के लेखक भी थे। एसआर प्रकाशबाबू ने इस फिल्म के प्रोडक्शन का काम संभाला था। साउथ अभिनेता कार्थी इस फिल्म में लीड रोल में थे। अर्जुन दास भी फिल्म का हिस्सा थे। फिल्म कैथी कई पुरस्कार जीत चुकी है।

अजय–तब्बू की दोस्ती बहुत पुरानी है। असल में उनकी बॉन्डिंग काफी अच्छी है। दोनों विजयपथ, हकीकत, गोलमाल अगेन और दृश्यम जैसी कई शानदार फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं। पिछली बार अजय और तब्बू फिल्म दे दे प्यार दे में साथ नजर आए थे।

अजय फिल्म गोबर, मेडे और मैदान में नजर आएंगे। आरआरआर, गंगूबाई काठियावाड़ी और दृश्यम 2 भी उनकी आगामी बहुचर्चित फिल्मों में शुमार हैं। अजय अपनी पहली वेब सीरीज रूद्र को लेकर भी सुर्खियों में हैं। दूसरी तरफ तब्बू फिल्म कुत्ते को लेकर सुर्खियों में हैं। इसमें वह एक भ्रष्ट पुलिस अफसर का किरदार निभाने वाली हैं। वह फिल्म भूल भुलैया 2 का हिस्सा हैं। विशाल भारद्वाज की फिल्म खूफिया में तब्बू गुप्तचर विभाग की अफसर बनी हैं।

वेंकट प्रभु की तमिल फिल्म मानाडू का बनेगा हिन्दी रीमेक

दक्षिण भारतीय फिल्मों का जलवा हमेशा से बॉलीवुड में रहा है। साउथ की कई रीमेक फिल्में ब्लॉकबस्टर साबित हुई हैं। अब इस कड़ी में एक और फिल्म का नाम जुड़ गया है। अब बहुत जल्द निर्देशक वेंकट प्रभु की तमिल फिल्म मानाडू का हिन्दी रीमेक बनेगा। मानाडू पिछले साल नवंबर में आई थी और यह बॉक्स ऑफिस पर भी हिट साबित हुई थी। यही वजह है कि इसकी हिन्दी रीमेक पर काम शुरू होने वाला है। रिपोर्ट के मुताबिक, तमिल फिल्म मानाडू की हिन्दी रीमेक बहुत जल्द दर्शकों के बीच आएगी। खबरों की मानें तो इस फिल्म को हिन्दी के अलावा तेलुगु में भी रीमेक किया जाएगा। प्रोड्यूसर सुरेश बाबू ने फिल्म को हिन्दी और तेलुगु सहित अन्य भारतीय भाषाओं में बनाने के अधिकार हासिल कर लिए हैं। कहा जा रहा है कि सुरेश प्रोडक्शंस ने मानाडू की रीमेक के अधिकार 12 करोड़ रुपये में खरीदे हैं। एक सूत्र ने बताया, फिल्म को इंडस्ट्री के शीर्ष कलाकारों के साथ कई भाषाओं में बनाया जाएगा। हिन्दी भाषी दर्शकों के बीच फिल्म को प्रस्तुत करने के लिए सुरेश बॉलीवुड के एक प्रमुख स्टूडियो के साथ गठजोड़ करने की योजना बना रहे हैं। ऑरिजनल फिल्म में सिंबू (सिलंबरसन) द्वारा निभाई गई मुख्य भूमिका को अदा करने लिए एक युवा स्टार को लेने का विचार है। सिंबू ने फिल्म में अब्दुल खालिक का किरदार निभाया था। फिल्म के तेलुगु वर्जन में भी बड़े कलाकारों को कास्ट किया जाएगा। प्रोड्यूसर फिलहाल दर्शकों को ध्यान में रखकर अपनी स्क्रिप्ट में बदलाव कर रहे हैं। जब फिल्म की स्क्रिप्ट पूरी हो जाएगी तो रीमेक के लिए निर्देशकों की कास्टिंग की प्रक्रिया शुरू होगी। मेकर्स को भरोसा है कि फिल्म को हिन्दी और तेलुगु दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिलेगी। अब देखना है कि बॉलीवुड का कौन अभिनेता फिल्म के हिन्दी संस्करण को लीड करेगा। मानाडू एक साइंस फिक्शन फिल्म है, जो पिछले साल 25 नवंबर को रिलीज हुई थी। वी हाउस प्रोडक्शंस ने इस फिल्म का निर्माण किया है। एसजे सूर्या और कल्याणी प्रियदर्शन जैसे कलाकारों ने इस फिल्म की शोभा बढ़ाई है। फिल्म मानाडू की कहानी अब्दुल खालीक (सिलंबरसन टीआर) की है, जो दुबई से कोयंबटूर में अपने दोस्तों की शादी में मदद करने के लिए आता है और वह एक टाइम–लूप में फंस जाता है।

सिरदर्द से लेकर खांसी–जुकाम तक के लिए उपयोगी है एलोवेरा, जानिए फायदे

आप सभी ने अक्सर सुना होगा एलोवेरा एक ऐसी जड़ीबूटी है जो स्किन से लेकर सेहत के लिए फायदेमंद होता है। जी हाँ, एलोवेरा को औषधि की तरह इस्तेमाल किया जाता है। एलोवेरा के कई चौकाने वाले फायदे है जो आज हम आपको बताने जा रहे हैं।

एलोवेरा के फायदे–

सिर दर्द – सिरदर्द के लिए एलोवेरा जेल लें, और इसमें थोड़ी मात्रा में दारु हल्दी (दारुहरिद्रा) का चूर्ण मिला लें। अब इसे गर्म करके दर्द वाले स्थान पर बांधें। जी दरअसल इससे वात और कफ दोष के कारण होने वाले सिरदर्द से आराम मिलता है।

आंखों की बीमारी में– जी दरअसल आप एलोवेरा के औषधीय गुण से आंखों की बीमारी का इलाज कर सकते हैं। कहा जाता है एलोवेरा जेल को आंखों पर लगाने से आंखों की लालिमा खत्म होती है। जी दरअसल यह विषाणु से होने वाले आखों के सूजन (वायरल कंजक्टीवाइटिस) में लाभदायक होता है। इसी के साथ एलोवेरा का औषधीय गुण आँखों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। कान दर्द में – कान दर्द में भी एलोवेरा से लाभ मिलता है। इसके लिए एलोवेरा के रस को हल्का गर्म कर लें और जिस कान में दर्द हो रहा है, उसके दूसरी तरफ के कान में दो–दो बूंद टपका लें। इससे कान के दर्द में आराम मिलता है। खांसी–जुकाम – खांसी–जुकाम में भी इससे फायदा होता है। इसके लिए गूदा और सेंधा नमक लेकर भस्म तैयार कर लें और इस भस्म को 5 ग्राम की मात्रा में मुनक्का के साथ सुबह–शाम सेवन करें। वैसे इससे पुरानी खांसी और जुकाम में लाभ होता है।